संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 23
पृष्ठ 8
गुरूवार
09 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लिवर डिटॉक्स के लिए एक चुटकी...

विचार- एक्सपायरी डेट का पानी बेचना...

खेल- क्या मोहम्मद शमी का करियर खत्म?

अब भारत घुसकर मारता है : आतंकवाद पर बोले पीएम मोदी

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

मुंबई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 17 साल पहले हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कांग्रेस पार्टी को घेरा। उन्होंने मुंबई आतंकी हमले के बाद तत्कालीन सरकार की नीति को कटघरे में खड़ा किया। पीएम मोदी ने कहा, मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के साथ–साथ भारत के सबसे वाइब्रेंट शहरों में से एक है। इसलिए, 2008 में आतंकियों ने मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। लेकिन तब जो कांग्रेस सरकार सत्ता में थी, उसने कमजोरी का संदेश दिया और आतंकवाद के सामने घुटने टेक दिए।

कांग्रेस सरकार ने देश की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका

बकौल प्रधानमंत्री मोदी, हाल ही में कांग्रेस के एक बड़े नेता, जो कांग्रेस के शासनकाल में देश के गृहमंत्री रह चुके हैं, ने एक साक्षात्कार में बड़ा खुलासा किया है कि 2008 के मुंबई

हमले के बाद हमारी सेनाएं, पाकिस्तान पर हमला करने को तैयार थीं। पूरा देश भी यही चाहता था, लेकिन किसी दूसरे देश के दबाव में कांग्रेस सरकार ने देश की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोक दिया।

अब भारत दमदार जवाब देता है, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखी ताकत

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस को बताना होगा कि वह कौन था जिसने विदेशी दबाव में फैसला लिया और मुंबई व देश की भावना से खिलवाड़ किया। उन्होंने कहा, हमारे लिए देश और देशवासियों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। आज का भारत दमदार जवाब देता है, घर में घुसकर मारता है। यह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मुंबई का लंबा इंतज़ार खत्म हुआ। मुंबई को अब अपना दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट मिल गया है। ये एयरपोर्ट, इस क्षेत्र को एशिया के सबसे बड़े कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसकी अहमियत को रेखांकित करते हुए कहा, इस नए एयरपोर्ट से महाराष्ट्र के किसान यूरोप और पश्चिम एशिया के सुपरमार्केट से भी जुड़ पाएंगे।

सरकार से कांग्रेस पार्टी ने भी पूछे तीखे सवाल

इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने भी केंद्र सरकार से तीखे सवाल किए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 30 सितंबर 2025 को जारी ताजा अधिसूचना में पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, ओमान, तुर्किए और इस्राइल जैसे देशों के नाम भी शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा, श्देखिए, कूटनीतिक माहौल कितनी जल्दी बदलता है और कूटनीतिक झटके कितनी तेजी से बढ़ते हैं। कांग्रेस महासचिव ने दोनों अमेरिकी अधिसूचनाओं की प्रतियों साझा करते हुए कहा कि यह भारत की विदेश नीति की असफलता का संकेत है।

रेल मंत्री का बड़ा ऐलान

जनवरी से बिना शुल्क बदल सकेंगे कन्फर्म टिकट की यात्रा तिथि

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जनवरी से यात्री बिना किसी शुल्क के अपने कन्फर्म ट्रेन टिकट की यात्रा तिथि ऑनलाइन बदल सकते हैं। वैष्णव ने कहा कि यह व्यवस्था अनुचित है और यात्रियों के हित में नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि बदलावों को लागू करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। वर्तमान में, यात्रियों को ऑनलाइन टिकटों की यात्रा तिथि बदलने की अनुमति नहीं है। यात्रियों को मौजूदा टिकट रद्द करके अपनी इच्छित तिथि के लिए नया टिकट बुक करना होता है जिस पर रद्दीकरण शुल्क लागू होता है। हालाँकि, रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि नई तारीख पर कन्फर्म टिकट मिलने की कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि यह सीट की उपलब्धता पर निर्भर करता है। इसके अलावा, अगर नए टिकट की कीमत ज़्यादा है, तो यात्रियों को किराए का अंतर चुकाना होगा। हाल ही में, आईआरसीटीसी ने आईआरसीटीसी वेबसाइट या ऐप के ज़रिए बुक किए जाने वाले जनरल टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग के लिए नए दिशानिर्देशों की घोषणा की है। आधार–प्रमाणित उपयोगकर्ताओं से संबंधित संशोधित आईआरसीटीसी दिशानिर्देश अक्टूबर से लागू होंगे। आईआरसीटीसी के बयान के अनुसार, यह नियम केवल आरक्षित सामान्य टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग पर लागू होगा। भारतीय रेलवे के कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों के माध्यम से सामान्य आरक्षित टिकटों की बुकिंग के समय में कोई बदलाव नहीं होगा।

जावेद हबीब के खिलाफ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में 20 से अधिक मुकदमे दर्ज

संभल, एजेंसी। संभल जिले में करीब सात करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप में सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब, उनके बेटे अनोस हबीब और उनके एक सहयोगी के खिलाफ कम से कम 23 मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि आरोपियों ने

एफएलसी कंपनी के बैनर तले एक निवेश योजना चलाई थी जिसमें बिटकॉइन निवेश पर 50–70 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न का वादा किया गया था। विश्नोई ने कहा, उन्होंने हर निवेशक से पांच से सात लाख रुपये लिये थे और यकीन दिलाया था कि इससे उन्हें अच्छा रिटर्न मिलेगा, लेकिन ढाई साल बाद भी किसी भी निवेशक को अपना धन वापस नहीं मिला। उन्होंने बताया कि अब तक ऐसे 38 लोगों की पहचान की गई है जिनके साथ धोखाधड़ी हुई थी। विश्नोई ने कहा, जावेद हबीब, उनके बेटे अनोस हबीब और उनके सहयोगी सैफुल के खिलाफ 23 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि यह घोटाला एक संगठित गिरोह की तरह संचालित किया गया था। पुलिस ने आरोपियों को विदेश भागने से रोकने के लिए हबीब और उनके बेटे के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी अगर पीड़ितों का धन वापस नहीं करते हैं तो भारतीय न्याय संहिता की धारा 107 के तहत उनकी संपत्ति भी जब्त की जा सकती है।

सोनम वांगचुक से जेल में मिलीं पत्नी गीतांजलि, कानूनी लड़ाई का लिया संकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाखी अन्वेषक और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने बुधवार को बताया कि कानूनी कार्रवाई के बावजूद उनका मनोबल मजबूत बना हुआ है, क्योंकि उनकी कानूनी टीम उनके खिलाफ जारी किए गए नजरबंदी आदेश को चुनौती देने की तैयारी कर रही है। वांगचुक और उनके कानूनी सलाहकार रितम खरे से मुलाकात के बाद गीतांजलि ने बताया कि हालांकि हिरासत आदेश प्राप्त हो गया है,

लेकिन वांगचुक की अपने मुद्दे के प्रति प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक मजबूत है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हमें नज़रबंदी का आदेश मिला है, जिसे हम चुनौती देंगे। उनका हौसला अडिग है। उनकी प्रतिबद्धता दृढ़ है! उनका लचीलापन बरकरार है! वह सभी के समर्थन और एकजुटता के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने गीतांजलि द्वारा दायर एक रिट याचिका पर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से जवाब मांगा था। इस याचिका में गीतांजलि ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अपनी हिरासत को चुनौती दी थी और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की थी। हालांकि, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने हिरासत के आधार बताने संबंधी उनकी याचिका पर कोई आदेश देने से इनकार कर दिया और मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी। वांगचुक को 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था। यह घटना केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद हुई थी। इस हिंसक प्रदर्शन में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे।

सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश की खड़गे ने की कड़ी निंदा, बोले- यह अपमान है

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को उस घटना की निंदा की जिसमें एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की ओर उनके कोर्ट रूम में जूता फेंकने का प्रयास किया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट में हुई घटनाओं और मुख्य न्यायाधीश के अपमान की निंदा करते हैं। ऐसे लोगों की हमारे सभी वकीलों और बार एसोसिएशन को निंदा करनी चाहिए... जो लोग अभी भी मनुस्मृति और सनातन धर्म के नाम पर लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं, उन्हें शिक्षित किया जाना चाहिए। खड़गे ने कहा कि जो लोग समाज में अनावश्यक तनाव फैलाने और शांति भंग करने का प्रयास करते हैं, उन्हें शिक्षित किया जाना चाहिए और उनकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। एक अभूतपूर्व और चौंकाने वाली घटना में, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक बुजुर्ग वकील ने गवई की ओर उनके कोर्ट रूम में जूता फेंकने की कोशिश की। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए जिसने धर्म के नाम पर और समाज को तोड़ने वाली विचारधारा के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश का अपमान करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मुझे दुख है कि इस घटना के बाद वकीलों, सरकारों, राजनीतिक दलों और जनता की ओर से जो प्रतिक्रिया आई, वह व्यापक स्तर पर नहीं थी, लेकिन कुछ प्रगतिशील राज्यों, प्रगतिशील सोच वाले अधिवक्ताओं और राजनीतिक दलों के नेताओं ने इसकी निंदा की है। खड़गे ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में वाल्मीकि समुदाय के एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट–पीटकर हत्या की भी निंदा की और कहा कि यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश में कानून–व्यवस्था किस हद तक बिगड़ चुकी है।

रत्न-संबंधी विदेशी मुद्रा जांच के सिलसिले में ईडी ने कोलकाता में छापेमारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रत्नों की बिक्री के जरिए कथित विदेशी मुद्रा गबन की जांच के सिलसिले में बुधवार को कोलकाता में दो जगहों पर छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ईडी के अधिकारियों ने सॉल्ट लेक के सीएफ ब्लॉक स्थित एक रत्न एजेंट के आवास पर छापा मारा और कोलकाता में किरण शंकर रॉय रोड स्थित उसके कार्यालय का भी दौरा किया। अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, "इस मामले के सिलसिले में कोलकाता में एक एजेंट के आवास और कार्यालय पर तलाशी अभियान जारी है। हमारे अधिकारी विभिन्न दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं।" लगभग एक महीने पहले इस तरह के आरोप सामने आए थे कि सस्ते रत्न अत्यधिक ऊंची कीमतों पर बेचे जा रहे हैं।

क्या मध्य प्रदेश में 20 मौतों के पीछे कफ सिरप?

डब्ल्यूएचओ ने भारत से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या मध्य प्रदेश में 20 बच्चों की मौत से जुड़ी कोल्ड्रिफ कफ सिरप को अन्य देशों में निर्यात किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूएचओ ने कहा कि वह भारतीय अधिकारियों से आधिकारिक पुष्टि मिलने के बाद कोल्ड्रिफ सिरप पर वैश्विक चिकित्सा उत्पाद अलर्ट की आवश्यकता का आकलन करेगा। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बताया कि दूषित कफ सिरप के सेवन से किडनी

में संक्रमण के कारण अब तक 20 बच्चों की मौत हो चुकी है और पांच अन्य को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। मौतों की जाँच के लिए सात सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया है। एक सहायक पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में एसआईटी ने बुधवार को चेन्नई के पास दवा निर्माता कंपनी के कारखाने में जाँच की। चेन्नई स्थित एक दवा कंपनी पुडुचेरी, मध्य प्रदेश, राजस्थान और अन्य राज्यों को कफ सिरप श्कोल्ड्रिफश की आपूर्ति करती रही है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने घोषणा की है कि कांचीपुरम के सुंगुवरचत्रम स्थित विनिर्माण संयंत्र से एकत्र किए गए कफ सिरप के नमूने मिलावटी पाए गए हैं। कंपनी को तुरंत 'उत्पादन बंद' करने का निर्देश दिया गया है। तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने पहले ही दूषित कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया है।

आचार्य शुक्ल और महर्षि वाल्मीकि की मनाई गयी जयंती

आचार्य शुक्ल ने साहित्य के माध्यम से सबका मार्गदर्शन किया : दयाशंकर मिश्र

माधव कृष्ण को दिया गया आचार्य राम चंद्र शुक्ल सम्मान 2025

मिर्जापुर। आचार्य रामचंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में हिंदी विभूति आचार्य रामचंद्र शुक्ल की 141 वीं जयंती व महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दयाशंकर मिश्र (राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) और विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका मिर्जापुर अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी मंचासीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अनुज प्रताप सिंह पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी विभाग ने की। संचालन आनंद अमित ने किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि ने आचार्य रामचंद्र शुक्ल और महर्षि वाल्मीकि की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करके किया। आचार्य शुक्ल के पौत्र राकेश चंद्र शुक्ल ने अतिथियों का अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। गाजीपुर के चर्चित साहित्यकार और प्रखर वक्ता माधव कृष्ण को आचार्य राम चंद्र शुक्ल सम्मान 2025 दिया गया। पिछले 2 वर्षों से यह सम्मान आलोचना साहित्य में विशेष योगदान के लिए चुने हुए साहित्यकार को दिया जा रहा है।

अध्यक्षता कर रहे डॉ अनुज प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने विपरीत परिस्थितियों में भी हिंदी साहित्य का इतिहास लिखने का कार्य किया।

मुख्य अतिथि दयाशंकर मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य शुक्ल जी का जन्म बस्ती में हुआ लेकिन उन्होंने मिर्जापुर में रहते हुए हिंदी साहित्य के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। आचार्य शुक्ल ने साहित्य के माध्यम से सबका मार्गदर्शन किया। नगर पालिका मिर्जापुर अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी ने कहा कि हमारा

सौभाग्य है कि आचार्य रामचंद्र शुक्ल जैसे महान साहित्यकारों ने मिर्जापुर को कार्य क्षेत्र बनाया। डॉ नीरज त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी साहित्य के लिए आचार्य शुक्ल और का कार्य महत्वपूर्ण है तो संस्कृत में महर्षि वाल्मीकि। का।

लालब्रत सिंह, भोलानाथ कुशवाहा, विजय कुमार श्रीवास्तव, अनिल कुमार यादव, मुहीब मिर्जापुरी ने आचार्य शुक्ल के साहित्यिक जीवन व उनके लेखन पर अपना वक्तव्य दिया। प्रबंधक राकेश शुक्ल ने आचार्य रामचंद्र शुक्ल विश्वविद्यालय नामकरण और बाल्मीकि जयंती के साथ आचार्य शुक्ल जी की जयंती को भी जोड़ने के लिए मा. मुख्यातिथि को ज्ञापन सौंपा।

डॉली अग्रहरि, हौसला प्रसाद मिश्र, विशाल श्रीवास्तव, इंद्रजीत शुक्ल, नंदलाल मौर्या, गुमनाम मिर्जापुरी, गणेश प्रसाद तिवारी,

रामजी तिवारी, लक्ष्मीकांत तिवारी, राजपति ओझा, केदारनाथ सविता, इरफान कुरैशी, आनंद केसरी, नंदिनी वर्मा, श्रुति जायसवाल, इला जायसवाल, सृष्टि राज आदि उपस्थित रहे। आनंद देव चंद्रशेखर, प्रवीण कुमार मिश्रा, रमाशंकर द्विवेदी गायत्री परिवार, अमरनाथ सिंह, रविंद्र कुमार पांडे एडवोकेट, शिव प्रसाद द्विवेदी, रमेश चंद दुबे, औचित्यानंद शुक्ला, प्रमोद चंद गुप्ता, श्याम कुमार, विवेकानंद चौबे, उमेश चंद माली, पंडित नरेश चंद शर्मा, नंदलाल सिंह, अखिलेश ओझा, राजेश कुमार श्रीवास्तव आनंद केसरी, देवनारायण शर्मा, वसंत कुमार गुप्ता, अनिल कुमार सभासद, विजय शंकर प्रजापति, रत्नेश दुबे, आशीष चंद्र शुक्ला, ऋषभ शुक्ला, आशुतोष शुक्ला, डॉ ब्रजेश चंद्र, अखिलेश चंद्र शुक्ला, मुकेश चंद शुक्ला, मानस मोहल्ले आदि उपस्थित रहे।

बहरिया में प्राथमिक विद्यालय का गेट गिरने से मासूम की मौत, खेलते समय हुआ हादसा

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के धमौर गांव में प्राथमिक विद्यालय की चहारदीवारी का गेट गिरने से छह साल के बच्चे की दबकर मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब बच्चा गेट पकड़कर खेल रहा था। उसी समय एक गेट बच्चे के ऊपर गिर गया। बहरिया थाना क्षेत्र के धमौर गांव में प्राथमिक विद्यालय की चहारदीवारी का गेट गिरने से छह साल के बच्चे की दबकर मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब बच्चा गेट पकड़कर खेल रहा था। उसी समय एक गेट बच्चे के ऊपर गिर गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। चकिया धमौर निवासी मनोज कुमार पाल ने बुधवार को सुबह करीब साढ़े छह बजे वह प्राथमिक विद्यालय धमौर के तरफ शौच के लिए गया था। साथ में उसका छह वर्षीय बेटा ईशू पाल भी था। नित्य कार्य से निवृत्त होने के बाद वह प्राथमिक विद्यालय के पास लगे हैंडपंप पर हाथ धुल रहा था। इसी बीच उसका बेटा ईशू पाल (6) प्राथमिक विद्यालय धमौर का गेट पकड़कर खेल रहा था। तभी विशाल गेट का एक हिस्सा टूटकर बेटे के ऊपर गिर गया। जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। ऊधर सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

मुआवजे के विवाद में फंसी करछना पावर प्लांट योजना, नए सर्किल रेट को लेकर फंसा पेच

प्रयागराज। मुआवजे के विवाद में करछना पावर प्लांट योजना 15 वर्षों से फंसी हुई है। कई सरकारें आईं और गईं लेकिन इस बहुप्रतीक्षित योजना की शुरुआत नहीं हो सकी जबकि पावर प्लांट के लिए किसानों को 64 करोड़ रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जा चुके हैं। मुआवजे के विवाद में करछना पावर प्लांट योजना 15 वर्षों से फंसी हुई है। कई सरकारें आईं और गईं लेकिन इस बहुप्रतीक्षित योजना की शुरुआत नहीं हो सकी जबकि पावर प्लांट के लिए किसानों को 64 करोड़ रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जा चुके हैं। किसान अब नए सर्किल रेट पर मुआवजे की मांग कर रहे हैं। योजना के लिए करछना के आठ गांवों में तकरीबन

273 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत की गई थी। भूमि के बदले तकरीबन 1900 किसानों को 64 करोड़ रुपये मुआवजे के तौर पर दिए गए थे। तकरीबन 32 किसानों ने मुआवजा नहीं लिया था लेकिन उनकी जमीन अधिग्रहीत कर ली गई थी।

ये किसान कोर्ट चले गए थे। रिट दाखिल करने वाले किसानों में शामिल सुरेश पटेल का कहना है कि कोर्ट से उन्हें राहत मिल गई थी और किसानों के नाम वापस खतौनी में दर्ज कर लिए गए थे। योजना के लिए तकरीबन 11 करोड़ रुपये की लागत से अधिग्रहीत जमीन पर चहारदीवार बनाई गई थी और भूमि का सीमांकन करते हुए कई जगह पिलर लगाए गए थे। मौके पर अब कई जगह चहारदीवारी नहीं है या तोड़ दी गई है।

प्रशासन के सूत्रों का कहना है कि मुआवजा न लेने पर तकरीबन 27 किसानों के नाम से कोषागार में 50 से 60 लाख रुपये रेवेन्यू डिपॉजिट किया गया था। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी योजना जस की तस पड़ी हुई है। वहीं, जिन किसानों ने मुआवजा लिया था, वे अब नए सर्किल रेट से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। इसके लिए किसानों ने पिछले हफ्ते जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन भी दिया था।

नए यमुना पुल पर कार की टक्कर से आटो चालक की मौत, तीन सवारियां घायल

प्रयागराज। नए यमुना पुल पर कार की टक्कर से आटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन सवारियां घायल हो गईं। घायलों को एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया है।

नए यमुना पुल पर कार की टक्कर से आटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन सवारियां घायल हो गईं। घायलों को एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया है। पुलिस कार का पता लगाने में जुटी हैं। नैनी इलाके के नीबी निवासी चालक राकेश कन्नौजिया (27) आटो चलाकर परिवार का पालन पोषण करता था। बुधवार को दोपहर में वह सवारियों को बैठाकर शहर से नैनी की ओर जा रहा था कि नैनी नए यमुना पुल पर अज्ञात वाहन ने सामने से आटो में जोरदार टक्कर मार दी। इससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जब तक लोग कुछ समझ पाते उसकी सांसें थम गईं। आटो में सवार तीन सवारियों को भी चोटे आई हैं। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

वायुसेना दिवस पर प्रयागराज में ही मिग-21 बाइसन को राफेल ने दी थी विदाई

प्रयागराज। वर्ष 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध से लेकर बालाकोट एयर स्ट्राइक तक विभिन्न अभियानों मुख्य भूमिका में रहे फाइटर प्लेन मिग-21 को भले ही पिछले माह वायुसेना से विदाई दी गई हो लेकिन सेना के किसी भी एयर शो में यह विमान आखिरी बार प्रयागराज के आसमान पर ही दिखा था।

वर्ष 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध से लेकर बालाकोट एयर स्ट्राइक तक विभिन्न अभियानों मुख्य भूमिका में रहे फाइटर प्लेन मिग-21 को भले ही पिछले माह वायुसेना से विदाई दी गई हो लेकिन सेना के किसी भी एयर शो में यह विमान आखिरी बार प्रयागराज के आसमान पर ही दिखा था। आठ अक्तूबर 2023 को देश की चौकसी में पांच दशक से तैनात मिग-21 बाइसन को प्रयागराज में आयोजित वायुसेना के मुख्य एयर शो में विदाई दी गई थी। तब मिग-21 के सम्मान में राफेल ने उसे एस्कार्ट किया। बुधवार को वायुसेना दिवस है। वायुसेना के साथ प्रयागराज का नाम न आए यह हो नहीं सकता, क्योंकि प्रयागराज में ही वायु सेना के मध्य कमान का मुख्यालय है। वायुसेना के लिहाज से संगमनगरी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारी वायुसेना ने अपने कई महत्वपूर्ण ऑपरेशन प्रयागराज से ही ऑपरेट किए हैं। इसी वजह से वायुसेना ने दो वर्ष पूर्व अपने 91वें स्थापना दिवस पर शौर्य और साहस का रोमांचक प्रदर्शन करने के लिए प्रयागराज को ही चुना। तब गंगा-यमुना के पवित्र संगम पर 25 लाख लोग एयर शो के भागीदार बने। इसी एयर शो में मिग-21 भारतीय वायुसेना के किसी एयर शो में आखिरी बार दिखा। राफेल को रक्षा कमान सौंपकर मिग-21 ने विदा ली।

दस गुना रुपये देने के बाद भी न लौटाई जमीन, पैमाइश करने की गुहार लगाते-लगाते दुनिया छोड़ गई फूलवती

प्रयागराज। ललितपुर में दस गुना रुपये देने के बाद भी सूदखोर ने जमीन से कब्जा नहीं छोड़ा। अफसर ने फरियाद नहीं सुनी तो बुजुर्ग महिला ने विवादित जमीन के पास आत्महत्या कर ली।

ललितपुर में मूलधन से दस गुना रुपये लौटाने के बाद अपनी आठ एकड़ जमीन से कब्जा छुड़ाने को लेकर दो दिनों तक बुजुर्ग दंपती ने कोतवाली महरौनी, एसडीएम और एसपी के यहां शिकायती पत्र दिए थे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। इससे वृद्धा परेशान चल रही थी। आरोप है कि मंगलवार को विवादित जमीन पर बीम डालने के दौरान आरोपियों ने वृद्धा सहित उसके पति व पुत्रों से धक्का-मुक्की और धमकी दी थी। जिस पर वृद्धा ने विवादित जमीन के पास ही लगे अमरूद के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

कोतवाली महरौनी के ग्राम पठा विजयपुरा निवासी जगरानी के दो पुत्र हरीराम और भगवत व दो पुत्रियां हैं। मृतका जगरानी के पति हरदयाल की गांव से गुजरे नाराहट-महरौनी मार्ग पर आठ एकड़ जमीन है। पोते भगवानदास ने बताया कि उसके दादा हरदयाल ने जब गांव के सूदखोर हरीशंकर सोनी से 80 हजार रुपये लिए थे और करीब आठ लाख रुपये लौटा चुके थे।

इसके बाद भी सूदखोर हरीशंकर ट्रैक्टर, ट्रॉली, बोनी मशीन, पंजा सहित अन्य कृषि सामान भी ले गया था और नाराहट-महरौनी रोड के किनारे स्थित उसके दादा की जमीन पर कब्जा किए था, जिसको वह नहीं लौटा रहा था। कुछ दिनों से उक्त जमीन पर भवन निर्माण का कार्य भी शुरू करा दिया था। जब उसके दादा व दादी ने निर्माण करने से मना किया था तो उसने धमकाया था।

जिसके बाद अपनी जमीन से कब्जा छुड़वाने के लिए उसके दादा व दादी ने कोतवाली महरौनी पुलिस, एसडीएम महरौनी व पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र दिए थे लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई थी। उक्त जमीन पर तेजी से निर्माण कार्य कराया जा रहा था। मंगलवार को जब उसकी दादी जगरानी वहां गई तो सूदखोर ने अपने बेटे आनंद सोनी व साथी कालीचरन कुशवाहा, दीपक व अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर अभद्रता की और धक्का दिया। इस कारण से दादी जगरानी ने फंदा लगाकर जान दे दी।

पैमाइश करने की गुहार लगाते-लगाते दुनिया छोड़ गई फूलवती

कोतवाली सदर अंतर्गत ग्राम मऊ माफी निवासी महिला के आत्महत्या करने की घटना से ग्रामीणों में रोष है। गांव के लोगों ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महिला की पुत्री पूजा के मुताबिक उनकी चार एकड़ जमीन गांव में नहर किनारे है। लेकिन वह लोग सिर्फ 70 डिसमिल जमीन पर काबिज है। बाकी की जमीन की पैमाइश कराने की कोशिश उसकी मां कर रही थी।

इस बीच गांव में चकबंदी प्रक्रिया शुरू हुई। तब मां ने चकबंदी लेखपाल व कानूनगो से पैमाइश कराने की मांग की। इसके लिए 1.20 लाख रुपये भी ले लिए गए। इसके बाद भी जमीन की पैमाइश नहीं की गई। आरोपी 50 हजार रुपये और मांग रहा था। उसकी मां ने इस बात की शिकायत भी थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे आहत होकर उसकी मां ने सोमवार की रात जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

घटना के बाद कोतवाली में जुटे रहे राजस्व विभाग के अधिकारी महिला के विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या कर लेने और चकबंदी लेखपाल व कानूनगो परं आरोप लगने के बाद मंगलवार दोपहर राजस्व विभाग के अधिकारी कोतवाली सदर में पहुंच गए। यहां पर वह घटना को लेकर जानकारी जुटाने में लगे रहे।

पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम के लिए शव मोर्चरी में रखवा दिया गया है। राजस्व विभाग अपने स्तर से जांच कर रहा है।– आशीष कुमार मिश्र, सीओ महरौनी

रविवार को शिकायत आई थी, जिसे उन्होंने कोतवाली भेज दिया था। पुलिस गांव में गई थी। लेकिन पीड़ित पक्ष सोमवार को आया तो उन्होंने दोनों पक्षों को मंगलवार को दिन में दो बजे बुलाया था। दोनों पक्ष कोतवाली आए थे। इसी दौरान सूचना आई कि महिला ने आत्महत्या कर ली तो वह लौट आए। जांच के दौरान जो भी तथ्य आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।–रजनीश कुमार, एसडीएम महरौनी

हाईकोर्ट ने कहा- न्यायिक आदेश और बयान दर्ज करते समय शिष्ट-सामान्य भाषा का इस्तेमाल करें

प्रयागराज। वाराणसी की स्पेशल कोर्ट की अदालत में एक मुकदमे में एक गवाह के बयान में अपमानजनक और अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। हाईकोर्ट ने यह भी ध्यान दिलाया कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय ने समय-समय पर शिष्ट भाषा के उपयोग के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि विशेष न्यायाधीश वाराणसी ने इन पर ध्यान नहीं दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य के सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे आदेश या गवाहों के बयान दर्ज करते समय शिष्ट-सामान्य भाषा का इस्तेमाल करें। यह आदेश न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की एकलपीठ ने संत्रीपा देवी की आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी पर खारिज करते हुए दिया। वाराणसी के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी) ने सात

अगस्त 2024 को पारित आदेश से संत्रीपा देवी की शिकायत को विपक्षियों के खिलाफ ठोस सबूत न होने के आधार पर खारिज कर दिया था। इस आदेश के खिलाफ संत्रीपा ने पुनरीक्षण अर्जी दाखिल की थी।

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि वाराणसी के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी) के पारित आदेश और एक गवाह के बयान में अपमानजनक-अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया है। कोर्ट ने कहा कि अभद्र भाषा-अपशब्दों को दर्ज करना अवांछित और अनुचित है। कोर्ट ने यह भी ध्यान दिलाया कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय ने समय-समय पर शिष्ट भाषा के उपयोग के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि विशेष न्यायाधीश ने इन पर ध्यान नहीं दिया।

एकलपीठ ने प्रदेश के सभी जिला न्यायालयों के न्यायिक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से भविष्य में अपशब्दों के प्रयोग से बचने का निर्देश दिया। कहा कि न्यायिक आदेशों में प्रयुक्त भाषा में पद की गरिमा और प्रतिष्ठा परिलक्षित होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह आदेश सकारात्मक दृष्टिकोण से पारित किया जा रहा है। इसे नकारात्मक दृष्टिकोण से नहीं लिया जाना चाहिए। कोर्ट ने इस आदेश की एक प्रति रजिस्ट्रार (अनुपालन) को भी आवश्यक अनुपालन के लिए देने का निर्देश दिया है।

सिख संगत ने किया जागृति यात्रा का स्वागत, खुल्दाबाद गुरुद्वारे में सजा कीर्तन दरबार

प्रयागराज। सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर श्री पटना साहिब (बिहार) से निकाली जा रही जागृति यात्रा मंगलवार देर शाम यहां पहुंची। फाफामऊ की तरफ से शहर में यात्रा ने प्रवेश किया तो बालसन, सिविल लाइंस और खुल्दाबाद समेत कई स्थानों पर यात्रा और अगुवाई कर रहे पंज प्यारों का स्वागत कर फूल बरसाए।

सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर श्री पटना साहिब (बिहार) से निकाली जा रही जागृति यात्रा मंगलवार देर शाम यहां पहुंची। फाफामऊ की तरफ से शहर में यात्रा ने प्रवेश किया तो बालसन, सिविल लाइंस और खुल्दाबाद समेत कई स्थानों पर यात्रा और अगुवाई कर रहे पंज प्यारों का स्वागत कर फूल बरसाए। यात्रा के गुरु सिंह सभा खुल्दाबाद गुरुद्वारे पहुंचने पर कीर्तन दरबार सजा।

गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार हरजिंदर सिंह के मुताबिक यात्रा में आए पंज प्यारों के साथ जत्थेदार हरजीत सिंह और अन्य ग्रंथी गुरुद्वारे में रात्रि विश्राम करेंगे। बुधवार सुबह 8रू00 से 9रू30 बजे तक गुरुद्वारे में कीर्तन दरबार, कथा, अरदास और श्रद्धा समागम होगा। इसके बाद यात्रा सुबह 10 बजे फतेहपुर के रास्ते कानपुर रवाना होगी। यात्रा का स्वागत करने वालों में अध्यक्ष सरदार हरजिंदर सिंह, महामंत्री दिलजीत सिंह, कोषाध्यक्ष मनजीत सिंह माकन, निर्मल सिंह, जसमीत सिंह, इंदरप्रीत सिंह, पतविंदर सिंह, परमजीत सिंह बग्गा, लखविंदर सिंह और सुरेंद्र सिंह पुरी आदि रहे। वहीं बालसन चौराहे पर यात्रा का स्वागत कर शीश नवाने वालों में राणा चावला, पार्षद साहिल अरोरा, अवंतिका टंडन, पल्लवी अरोड़ा, वंदना त्रिपाठी आदि शामिल रहे।

आनंदपुर साहिब रोपड़ में विराम लेगी यात्रा

हरजिंदर सिंह ने बताया कि 17 सितंबर से निकली जागृति यात्रा नवंबर में श्री आनंदपुर साहिब रोपड़ (पंजाब) में विराम लेगी। इसका मकसद लोगों में गुरु तेग बहादुर के अद्वितीय बलिदान, मानवता, धार्मिक सहिष्णुता और सबका धर्म सम्मान के संदेश को जन-जन तक पहुंचना है।

छह माह और नौ दिन तप और ध्यान किया था

सरदार मनमोहन सिंह तन्हा के मुताबिक गुरु तेग बहादुर साहिब ने प्रयागराज में लगभग छह माह और नौ दिन तप और ध्यान किया था। यह स्थान आज गुरुद्वारा पक्की संगत अहियापुर के नाम से जाना जाता है। यह कल्याणी देवी मंदिर के पास है। यह पवित्र स्थल आज भी गुरु तेग बहादुर साहिब की आध्यात्मिक साधना और तपस्या का साक्षी है और सिख धर्म के साथ ही अन्य श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा का केंद्र बना है।

15 जुआरी पकड़े, 2.20 लाख रुपये बरामद, क्राइम ब्रांच ने की कार्रवाई

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लूकरगंज स्थित एक घर में क्राइम ब्रांच की टीम ने मंगलवार देर शाम पुलिस ने घेराबंदी कर 15 जुआरियों को गिरफ्तार किया। घटनास्थल से 1.20 लाख और आरोपियों के कब्जे से 70 हजार रुपये बरामद हुए हैं। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लूकरगंज स्थित एक घर में क्राइम ब्रांच की टीम ने मंगलवार देर शाम पुलिस ने घेराबंदी कर 15 जुआरियों को गिरफ्तार किया। घटनास्थल से 1.20 लाख और आरोपियों के कब्जे से 70 हजार रुपये बरामद हुए हैं। पुलिस को सूचना मिली कि लूकरगंज में कई दिनों से जुआ चल रहा है। सूचना पर एडीसीपी पुष्कर वर्मा के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम बनाई गई। मंगलवार देर शाम एक टीम ने जुआरियों के स्थल को चारों ओर से घेर लिया। दूसरी टीम मौके पर पहुंची और जुआ खेल रहे लोगों को पकड़ने लगी। कुछ जुआरी भागने लगे, जिन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया गया। फिर भी कई भाग निकले। मौके से नगदी के अलावा 17 मोबाइल और पांच बाइक भी बरामद हुई है।

एक्स पर किया गया था ट्वीट

पिछले कई दिनों से एक्स पर पोस्ट किया जा रहा था कि गप्पी निषाद के संचालन में कई दिनों से जुआ चल रहा है। बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने छापा मारा। गौरतलब यह कि खुल्दाबाद थाना पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। चर्चा है कि स्थानीय पुलिस को पता होने के बावजूद भी लगातार जुआ चल रहा था।

इन इनकी हुई गिरफ्तारी

प्रतीक कुशवाहा, अनिल कुमार, नरेंद्र कुमार तिवारी, अंजर अहमद, गोविंद सिंह, विजय कुमार यादव, संदीप कुमार तिवारी, शुभम पांडेय, मुकेश कुमार, सेबू, सत्य प्रकाश, शाहिद मुश्ताक, राजेंद्र कुमार, संजय कुमार और विनय सिंह को मौके पर ताश के पत्ते व नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया है। वहीं एडीसीपी पुष्कर वर्मा ने बताया कि छापामारी कर 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, मामले की जांच की जा रही है।

लल्लूजी एंड संस के टेंट गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों के नुकसान का अनुमान

प्रयागराज। शहर के कीडगंज इलाके में लल्लूजी एंड संस के टेंट गोदाम में मंगलवार की देर रात आग लग गई। देखते ही देखते आग की ऊंची ऊंची लपटें उठने लगी। आग की चपेट में आने से फर्नीचर, टेंट समेत लाखों के सामान जलकर राख हो गए। शहर के कीडगंज इलाके में लल्लूजी एंड संस के टेंट गोदाम में मंगलवार की देर रात आग लग गई। देखते ही देखते आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगी। आग की चपेट में आने से फर्नीचर, टेंट समेत लाखों के सामान जलकर राख हो गए। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आग की लपटें आसपास के घरों तक पहुंच गईं। इससे लोगों में दहशत मची रही। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया।

हादसे में चार लोगों की मौत के बाद परिवार में मचा कोहराम, शादी की खुशियां गम में बदलीं

प्रयागराज। प्रयागराज के खुल्दाबाद सब्जी मंडी क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। यहां से कानपुर बरात गई थी। वापस लौटते समय एक स्कॉर्पियो हादसे का शिकार हो गई। इसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। प्रयागराज के खुल्दाबाद सब्जी मंडी क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। यहां से कानपुर बरात गई थी। वापस लौटते समय एक स्कॉर्पियो हादसे का शिकार हो गई। इसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। राहुल केसरवानी खुल्दाबाद सब्जी मंडी मोहल्ले का रहने वाला था। घटना के बाद से ही मोहल्ले में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। शादी वाले घर में भी मातम पसरा हुआ है। रोने और बिलखने की आवाज सुनाई दे रही है। प्रयागराज के सब्जी मंडी खुल्दाबाद से स्कार्पियो गाड़ी से नौ लोग कानपुर के मोतीझील वाल्मीकि आश्रम में सामूहिक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। बुधवार सुबह वापस लौटते समय कानपुर प्रयागराज हाईवे पर बड़ौरी ओवरब्रिज के पास स्कार्पियो का टायर फटने से गाड़ी पानी भरे तालाब में घुस गई। पानी भरने के कारण चार लोगों की दम घुटने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुलिस ने पांच लोगों को सकुशल बचा लिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसे में जिनकी मौत हुई है उसमें साहिल गुप्ता (26), शिवम साहू (28), रितेश सोनकर (28) और राहुल केसरवानी (25) शामिल हैं। जबकि चालक राहुल कुमार, महेश, अमित, सुमित और नीरज को समय रहते बचा लिया गया।

झूंसी के हरेंद्र बने अखाड़ा चैंपियन, कौशाम्बी के लालता को किया चित

प्रयागराज। धनूपुर ब्लॉक के हरीपुर मिश्रपुर गांव के पारंपरिक दंगल में कई जनपदों के महिला-पुरुष पहलवानों ने हिस्सा लिया। कौशाम्बी के लालता को पटखनी देकर झूंसी के हरेंद्र अखाड़ा के चौंपियन बने। मिर्जापुर के सुमित ने वाराणसी के अंकित को, सोरों प्रयागराज के सुनील ने वाराणसी के आशीष को मात दी। वहीं, बरियारामपुर प्रयागराज के दिवाकर ने प्रतापगढ़ के जय सिंह को, गाजीपुर के सूर्य बली ने मिर्जापुर के अजय को, मिर्जापुर के टमाटर ने बिहार के कालाचीता को चित किया। जौनपुर के राजू ने वाराणसी के पिंटू को, गंगापुर हंडिया के रामबाबू ने मिर्जापुर के राजू को, गिर्दकोट हंडिया के राजेश ने प्रतापगढ़ के कमल पहलवान को पटखनी दी। वहीं, महिला पहलवानों ने भी दमखम दिखाया। वाराणसी की खुशी ने हंडिया की नीतू को शिकस्त दी। आयोजन समिति से जुड़े चंद्रिका प्रसाद तिवारी, दुर्गाप्रसाद तिवारी, रामसेवक तिवारी, बालकृष्ण तिवारी, सौरभ तिवारी प्रधान, छविनाथ तिवारी, सुमित तिवारी, शिवकुमार तिवारी तेजस्वी, मोहन तिवारी ने पहलवानों और दर्शकों के प्रति आभार जताया।

एक लाख की आबादी पर डॉक्टर सिर्फ एक

प्रयागराज। मऊआइमा क्षेत्र की एक लाख की आबादी के लिए सीएचसी में सिर्फ एक ही डॉक्टर की तैनाती है। सीएचसी में रोजाना तीन से चार सौ मरीज ओपीडी में इलाज के लिए आते हैं। एक ही डॉक्टर खांसी-जुकाम से लेकर गंभीर बीमारियों तक का इलाज कर रहे हैं। तीन दिन पूर्व प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. रामगोपाल वर्मा का तबादला होने से समस्या और बढ़ गई।

मऊआइमा सीएचसी में सिर्फ डॉ. रमेश कुमार ही बचे हैं। वह मरीजों का इलाज कर रहे हैं। पिछले दो माह में डॉ. जुबैर अहमद, डॉ. खरवार, डॉ. जी प्रसाद व डॉ. सुनील मौर्या का तबादला हो चुका है। जबकि यहां सात चिकित्सकों की तैनाती होनी चाहिए। सीएचसी में स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग के डॉक्टर की काफी वक्त से तैनाती नहीं हुई है।

इंडोनेशिया में खानम की पेंटिंग का चयनः अंतर्राष्ट्रीय इस्लामिक कैलिग्राफी प्रदर्शनी में दिखेगा जलवा

डॉ. ज़ाहेदा खानम की कला का इंडोनेशिया में प्रदर्शनी व सम्मान

प्रयागराज। इंडोनेशिया में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय इस्लामिक कैलिग्राफी प्रदर्शनी में डॉ. ज़ाहेदा खानम की पेंटिंग 'द मिरेकल्स ऑफ कुरआन' निश्चित रूप से दर्शकों का दिल जीतेगी ! अंतर्राष्ट्रीय क्यूरेटर गोरी यूसुफ हुसैन द्वारा क्यूरेट की जा रही इस प्रदर्शनी के 5वें संस्करण में 50 देशों के 200 कलाकार भाग ले रहे हैं, जो 11 से 18 अक्टूबर तक चलेगी। डॉ. खानम की इस पेंटिंग में दो समुद्रों का अद्भुत संगम दिखाया गया है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। काठमांडू और यूएसए में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुकी डॉ. खानम की यह पेंटिंग इंडोनेशिया में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। इस अद्भुत प्रदर्शनी की बड़ी उपलब्धि के लिए उन्हें प्रयागराज के प्रख्यात अकादमी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा तथा एमिनेंट आर्टिस्ट तलत महमूद, कसीम फारुकी, राजेंद्र भारतीय तथा प्रयागराज के कलाकारों ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

पुरकाजी के अध्यापक मनीष गोयल के बेटे अयन गोयल ने इंदौर - मध्य प्रदेश में किया पुरकाजी और मुजफ्फरनगर का नाम रोशन

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी के रहने वाले और लखनौती गांव के सरकारी स्कूल में प्रधानाध्यापक मनीष कुमार गोयल का बेटा अयन गोयल, श्री जी.एस.इन्स्टीट्यूट ओफ टैक्नोलॉजी एंड साइंस इन्दौर, मध्य प्रदेश में बी टेक (औद्योगिक एवं उत्पाद) में तृतीय वर्ष का छात्र हैं। इन्होंने तीनों वर्षों में अपनी स्ट्रीम में प्रथम

स्थान प्राप्त किया। आज इन्दौर में इस विश्वविख्यात इंस्टीट्यूट के प्रांगण में उडान–2025 कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री इन्द्र सिंह परमार माननीय मंत्री (उच्च शिक्षा), मध्य प्रदेश सरकार, द्वारा बी टेक डिग्री धारकों को डिग्री तथा गत वर्षों में प्रथम स्थान पर रहें छात्रों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। जिसमें पुरकाजी के होनहार छात्र अयन गोयल को भी प्रथम स्थान प्राप्त करके पर मध्य प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने सम्मानित किया। गौरतलब है कि अयन गोयल ने नैनीताल में भी पूरे कुमांयु मंडल, उत्तराखंड में भी पुरकाजी का नाम रौशन किया है।

लोकजनशक्ति पार्टी के संस्थापक पदमभूषण से सम्मानित पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व0 रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

मुज़फ्फरनगर। लोकजनशक्ति पार्टी के संस्थापक पदमभूषण से सम्मानित एवम पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व0 रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर कार्यकर्ताओ ने स्व0 रामविलास पासवान जी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धांसुमन अर्पित किए। कार्यक्रम

में प्रदेश प्रधान महासचिव राजीव गोयल ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्व0 रामविलास पासवान जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन गरीबो, वंचितों के कल्याण में लगाया उन्होंने सदैव देश के निचले तबके के लिये काम किया उनके किये गए कार्य सदैव जनता के दिलो में रहेंगे। जिलाध्यक्ष डॉ चंद्र प्रकाश ने कहा कि मा0 रामविलास पासवान जी देश के हर तबके के मसीहा थे उन्होंने हमेशा पार्टी के कार्यकर्ताओं का मान रखा आज देश के महान नेता स्व0 रामविलास पासवान जी की पुण्यतिथि पर कार्यकर्ताओ ने राधेश्याम गौशाला में गाय माताओ को चारा खिलाया व वृक्षारोपण किया श्रधांजलि सभा मे प्रदेश प्रधान महासचिव राजीव गोयल, जिलाध्यक्ष डॉ चंद्र प्रकाश, समन्दर सैन पुरकाजी विधानसभा अध्यक्ष, प्रवीण शर्मा जिला सचिव, सुनील कुमार जी संगठन मंत्री, राहुल धीमान महासचिव, मेहराब खान, अमित प्रचार मंत्री सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिरहा महासंग्राम 10 अक्टूबर को

करछना/लोक गायन बिरहा के लोकरंग को जीवंत रखने के उद्देश्य से आगामी 10 अक्टूबर को क्षेत्र के छिटियां,बीरपुर स्थित आईपीएस पब्लिक स्कूल में रात्रि 8.00 बजे से बिरहा महासंग्राम का आयोजन किया गया है। जानकारी देते हुए

विद्यालय के प्रबंधक इंजी. रोहित यादव ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में बिरहा सम्राट बक्सर,बिहार के ओम प्रकाश यादव और प्रयागराज के बिरहा पुरोधा कलाकार गंगाराम यादव के बीच बिरहा मुकाबला होगा। आयोजन समिति के सदस्य इंजी. पंकज यादव और लोक कलाकार राजेश यादव सभा भाई ने समस्त क्षेत्र वासियों से बिरहा संगीत का आनंद उठाने के लिए समय से उपस्थित होने की अपील की है।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास ने श्रद्धांजलि व वृक्षारोपण कर मनाई स्व. रामविलास पासवान की पुण्यतिथि

बिजनौर। जनपद बिजनौर में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के तत्वाधान में नुमाइश ग्राउंड के पास स्थित पार्टी कार्यालय पर सर्व समाज के शोषितों, गरीबों, उपेक्षितों एवं महिलाओं की सशक्त आवाज को बुलंद करने वाले लोक जनशक्ति पार्टी व दलित सेना के संस्थापक, पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा पद्म भूषण से सम्मानित स्व. रामविलास पासवान जी की पंचमी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

इस दौरान उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने की।

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्व. रामविलास पासवान ने कैबिनेट मंत्री रहते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए कई ऐतिहासिक योजनाएं चलाईं। उन्होंने गरीबों के लिए राशन वितरण प्रणाली, आम नागरिकों के लिए मोबाइल सुविधा शुरू करवाई और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न

दिलवाने तथा संसद भवन में उनकी प्रतिमा स्थापित करवाने का ऐतिहासिक कार्य किया।

कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष नवीन कुमार गर्ग, वरिष्ठ नेता चंद्रमणि रघुवंशी, नगर अध्यक्ष हरिश्चंद्र गुप्ता, जिला महासचिव यादराम सिंह, जिला सचिव दिनेश कुमार, ब्लॉक उपाध्यक्ष तेजपाल सिंह, पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डी.के. सागर, महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष नीता रानी सैनी व नीरज गौतम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं महिलाएं मौजूद रहीं।

पुण्यतिथि के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं ने आवास विकास कॉलोनी में एलआईसी के पीछे बने पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार मंजेश ठाकुर, जिला महासचिव यादराम सिंह, नगर अध्यक्ष हरिश्चंद्र गुप्ता, श्रीमती नीरज गौतम द्वारा आम के दो पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम के अंत में स्व. रामविलास पासवान के बताए रास्ते पर चलने और समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया गया।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रयागराज। विधि विभाग, सी एम पी डिग्री कॉलेज प्रयागराज में मॉडल कैरियर सेंटर, विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा निःशुल्क विधिक सहायता एवं सेवा केंद्र, सी एम पी डिग्री कॉलेज प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में कैरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम तथा विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ सुग्रीव कुमार ने विधि के छात्रों को बताया कि विधि के क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले लोगों को बहुमुखी प्रतिभा रखना आवश्यक है। आप असहाय लोगों को विधिक सहायता तब उपलब्ध करवा पाएंगे जब पहले आप स्वयं सशक्त और जागरूक होंगे।

इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री अभिषेक श्रीवास्तव ने बच्चों को नकारात्मकता और निराशा से बचकर प्रसन्न रहने हेतु उत्साहित किया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विभाग संयोजक प्रोफेसर शिव शंकर सिंह और डॉ रमेश कुमार सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ पद्मा अपराजिता परिजा, (संयोजक, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सेवा केंद्र) ने और मंच संचालन डॉ रमेश कुमार भारती ने किया। इस अवसर

पर प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, डॉ अजय कुमार, डॉ रितु रघुवंशी, श्रीमती अंजलिका, डॉ अशोक कुमार, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सेवा केंद्र के स्वयंसेवकगण तथा एल–एल. बी. , एल–एल.एम. के छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल के अध्यक्ष सुमित वैश्य जी का ऐतिहासिक जन्मदिन मंडल कार्यालय पर मनाया गया

प्रयागराज। अरविन्द पाण्डेय।

भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल के अध्यक्ष सुमित वैश्य जी का जन्मदिन चौक मंडल कार्यालय पर मनाया गया सभी पदाधिकारी सेक्टर संयोजक वार्ड अध्यक्ष मोर्चा के सभी लोगों ने मिलकर केक काटने के बाद माल्यार्पण और बुके श्री राम जी की प्रतिमादेकर सुमित वैश्य को बधाई दी कार्यक्रम में मनमोहन मिश्रा मंडल महामंत्री बचपन गुप्ता मंडल महामंत्री मंडल महामंत्री मनमोहन मिश्रा बचपन गुप्ता उपाध्यक्ष अनूप मिश्रा मीडिया प्रभारी अरविंद पाण्डेय धीरज केसरवानी शास्वत मिश्रा कुमकुम श्रीवास्तव माशू अब्बास नकवी सौरभ शर्मा अनूप अग्रवाल अवधेश श्रीवास्तव शुभम केशरवानी मुन्ना गांधी अमित गुप्ता महेश चंद्र त्रिपाठी राजेश केसरवानी नितिन केसरवानी

अजित श्रीवास्तव शाश्वत मिश्रा नितिन केसरवानी विकास द्विवेदी शाहिद खान रत्नेश यादव मनु कक्कड़ नितिन श्रीवास्तव रानी केसरवानी सुनीता सिंह नितिन श्रीवास्तव योगेश चौरसिया लोकेंद्र प्रताप सिंह सोनम गुप्ता मधुसूदन निषाद नीरज कुमार राजेश कुमार अमित गुप्ता मोनू पाल अनिता गुप्ता सैकड़ों कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी अरविन्द पाण्डेय ने दीस

सहारा को लखनऊ हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

नगर निगम की कार्रवाई को दी थी चुनौती, 30 अक्टूबर को अगली सुनवाई

लखनऊ, संवाददाता। सहारा को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच से राहत नहीं मिली है। सहारा समूह ने 7 अक्टूबर को लखनऊ नगर निगम की सहारा शहर में की जा रही कार्रवाई को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की पीठ ने आज यानी 8 अक्टूबर को याचिका पर सुनवाई की। न्यायालय ने याचिका पर विचार करते हुए राज्य सरकार और नगर निगम से जवाब–तलब किया। सहारा शहर के भीतर मौजूद मवेशियों को कान्हा उपवन ले जाने का भी आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी। सहारा की ओर से दायर याचिका में नगर निगम द्वारा जारी आदेशों को अवैध और मनमाना करार दिया गया है। कंपनी ने 8 और 11 सितंबर 2025 को नगर निगम द्वारा पारित आदेशों को निरस्त करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि निगम ने सहारा शहर में लीज पर दी गई जमीनों और उन पर बनी संपत्तियों में अवैध हस्तक्षेप किया, जबकि इन परिसंपत्तियों पर सहारा का वैध स्वामित्व और विकास अधिकार है। सहारा का कहना है कि इस विवाद से जुड़ा मामला पहले से सिविल कोर्ट में विचाराधीन है और अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश भी दिया है। इसके बावजूद नगर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी, जो न्यायालय के आदेश की अवहेलना है। कंपनी ने यह भी कहा है कि कार्रवाई से पहले उसे अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया, जिससे प्राकृतिक

न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस मामले में पहले हुई मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) की प्रक्रिया में नगर निगम को सहारा के साथ लीज एग्रीमेंट बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। सहारा का कहना है कि निगम ने उस आदेश का पालन नहीं किया और इसके विपरीत मनमाने तरीके से संपत्तियों में हस्तक्षेप शुरू कर दिया। मामले के अनुसार, नगर निगम ने 22 अक्टूबर 1994 और 23 जून 1995 को गोमती नगर क्षेत्र में सहारा इंडिया को जमीन पट्टे पर दी थी।

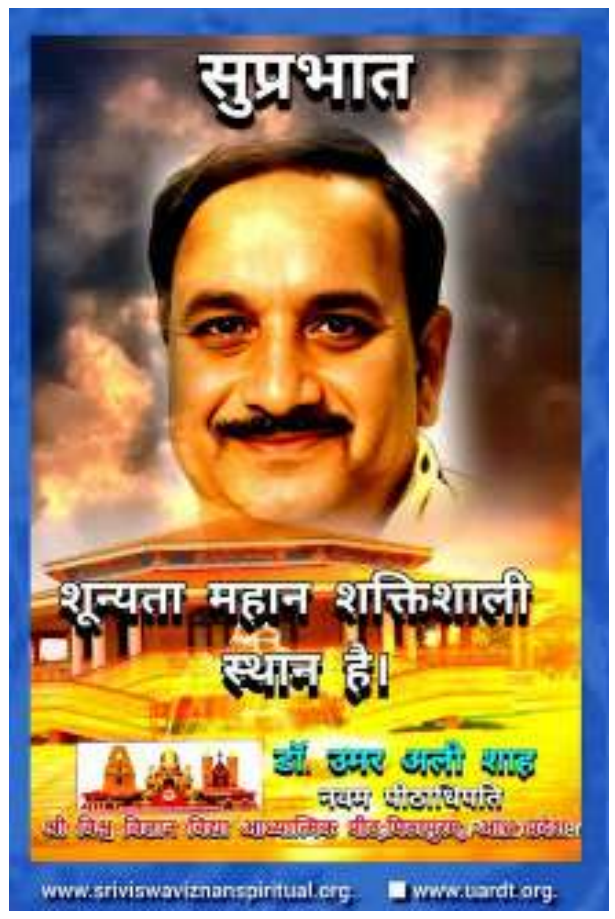

दिन का राजा

(कुण्डलिया)

पत्ती चिकनीअरु सरल, कुंद कील आकार।
ऊपर से गहरी हरी, हल्का है आधार।
हल्का है आधार, फूल गुच्छो में रहते।
'दिन का राजाश नाम, हमेशा दिन में खिलते।
सुन लो कहें प्रदीप, फूल महकाये बस्ती।
जिसका रंग सफेद, हरी ऊपर से पत्ती।।

अंतस में खुशबू भरे, कहती मीठी भोर।
'दिन का राजाश देखकर,सब हैं भाव विभोर।
सब हैं भाव विभोर,झूमती दिखी चमेली।
भाई का गुणगान, गा रही कर अठखेली।
सुन लो कहें प्रदीप, फूल बन इसके निरलस।
मधुबन में रस घोल, सुगन्धित रखते अंतस।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शहर समता महिला विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी गूगल मीट द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी करवा चौथ के उपलक्ष्य में आयोजन गूगल मीट द्वारा शहर समता विचार मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना के अध्यक्षता सचिव उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि सीमा वर्णिका। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा

किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति आशा जाकड़ ने दी। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अनीता दुबे,साधना शुक्ला, सरिता कपूर, अनामिका तिवारी, आरती शर्मा, संगीता वर्मानी, रेणुका पटेल, डॉ कुमकुम शुक्ला, डॉ ऋतु पांडे, डॉ शशि जायसवाल, छाया सक्सेना प्रभु, अनुराधा गर्ग दीप्ति, सुनीता गुप्ता, पुष्पा सिंह, अर्चना झा अन्नू, सुषमा सिंह उर्मि, सुषमा त्रिपाठी, सुषमा सिंह उर्मि अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

स्कूल वैन की कंटेनर से आमने–सामने टक्कर,2 छात्र और ड्राइवर घायल

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज में स्कूल वैन और कंटेनर में आमने–सामने से टक्कर हो गई। वैन सवार 2 छात्र और ड्राइवर घायल हो गया। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कंटेनर ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। घटना बुधवार सुबह मोहनलालगंज–बनी रोड पर सैयदबाबा मोड़ के पास हुई। स्कूल वैन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, न्यू पब्लिक इंटर कॉलेज की वैन

(यूपी–32–ईएन–4142) दो छात्रों को लेकर स्कूल जा रही थी। वैन की सैयदबाबा मोड़ के पास कंटेनर (यूपी–32–आरएन–6438) से आमने–सामने से टक्कर हो गई। वैन सवार छात्र ऋषभ यादव पुत्र दिलीप यादव निवासी नेवलखेड़ा मोहनलालगंज और शाश्वत सिंह पुत्र योगेश सिंह निवासी मोहनलालगंज घायल हो गए। वैन चालक गुडडू यादव पुत्र भगोले यादव निवासी ग्राम शंकरखेड़ा मोहनलालगंज को भी काफी चोट आई।

सम्पादकीय.....

शांति की आस

आखिरकार डोनाल्ड ट्रंप की शांति का नोबेल पुरस्कार पाने की तीव्र आकांक्षा के बीच की गई पहल से गाजा में दो साल से जारी इस्राइल के निरंकुश हमलों पर रोक लगने की आस जगी है। मिस्र के शर्म अल–शेख रिसॉर्ट में अमेरिका की मध्यस्थता में शुरू हुई वार्ता ने दुनियाभर में भरोसा जगाया है कि अब गाजा संकट का समाधान निकल सकता है। वास्तव में दो साल से जारी इस्राइल–हमास संघर्ष में मानवता कराह रही है। हालांकि, इस संकट की शुरुआत हमास के क्रूर आतंकी हमले से ही हुई थी। दरअसल, यह संघर्ष 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के आतंकवादियों द्वारा इस्राइल की धरती पर गए स्तब्धकारी क्रूर हमले के बाद शुरू हुआ था। इस जघन्य नरसंहार में इस्राइल व कुछ अन्य देशों के बारह सौ के करीब नागरिक मारे गए थे। इतना ही नहीं हमास के आतंकवादी 250 इस्राइली व अन्य देशों के लोगों को बंधक बनाकर ले गए थे ताकि इस्राइल पर वार्ता में दबाव बनाया जा सके। अभी कुछ जीवित बंधक तथा कुछ मृतकों के शव हमास के कब्जे में हैं, जिन्हें वह वार्ता में ढाल की तरह इस्तेमाल करता रहा है। इस घटनाक्रम को यहूदियों के सबसे बड़े नरसंहार के बाद दूसरा बड़ा खूनी दिन बताया गया था। जिसका जवाब इस्राइल ने गाजा को मटियामेट करके दिया, जिसमें हमास के आतंकवादियों समेत 67000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए। जिसमें अधिकांश आम नागरिक थे। इस्राइल के लगातार जारी घातक हमलों से गाजा आज खण्डहर में तब्दील हो गया है। बताया जाता है कि करीब 22 लाख गाजावासियों में ज्यादातर बेघर हैं और भूख से जूझ रहे हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद द्वारा नियुक्त स्वतंत्र वरिष्ठ जांचकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला था कि गाजा में इस्राइली हमलों की कार्रवाई नरसंहार की श्रेणी में आती है। मिस्र के शर्म अल–शेख रिसॉर्ट में अमेरिका की मध्यस्थता में शुरू हुई वार्ता के बाद कहा जा रहा है कि इस्राइल और हमास अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित 20–सूत्रीय योजना के कुछ हिस्सों को लेकर सहमत हो गए हैं। बहरहाल, इस्राइल व हमास के समझौते की ओर बढ़ने से हमास के कब्जे में रखे गए बंधकों की रिहाई की उम्मीद भी जगी है। हालांकि, इस समझौता वार्ता का एक विवादास्पद मुद्दा हमास का निरस्त्रीकरण भी है, जिसे हमास स्वीकारने को तैयार नहीं हो रहा था। वहीं गाजा के शासन से हमास को बाहर रखे जाने के मुद्दे का भी वार्ता के परिणामों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इस वार्ता को लेकर भारत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। भारत ने ट्रंप की योजना को फलस्तीन और इस्राइली लोगों के लिये दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग बताते हुए, इस पहल की सराहना की है। निस्संदेह, भारत की यह सक्रिय प्रतिक्रिया हाल के वर्षों में गाजा संघर्ष में युद्धविराम से संबंधित संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों पर मतदान से उसके बार–बार परहेज करने के बिल्कुल विपरीत है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने ही भारत ने फलस्तीनी मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान और द्विराज्य विकल्प के क्रियान्वयन पर न्यूयॉर्क घोषणापत्र का समर्थन करने वाले संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव तब देखा गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ सितंबर को कतर पर हुए इस्राइली हमलों की निंदा की थी। हालांकि, उन्होंने इस बाबत हमलावर, इस्राइल का नाम लेने से परहेज किया था। इसमें दो राय नहीं कि ट्रंप की योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन देना स्पष्ट रूप से भारत और अमेरिका के संबंधों को पटरी पर लाने के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। वैसे देखा जाए तो दिल्ली ने इस्राइल के मामले में काफी हद तक सावधानी बरती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पहलगाम हमले के बाद आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के बचाव के अधिकार का इस्राइल ने पुरजोर समर्थन किया था।

एक्सपायरी डेट का पानी बेचना जीवन से खिलवाड़

डॉ. दीपक पाचपोर

बिना किसी ट्रेडमार्क, मैन्युफैक्चरिंग डिटेल्स और एक्सपायरी डेट का पानी बेचना लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ है।

बिना किसी ट्रेडमार्क, मैन्युफैक्चरिंग डिटेल्स और एक्सपायरी डेट का पानी बेचना लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। यह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ताओं के प्रति घोर लापरवाही व सेवाओं में कमी है। इसके लिए विक्रेता जवाबदेह है। उपभोक्ता आयोग में शिकायत करने पर पीड़ित को राहत मिल सकती है। एक दुकानदार एक्सपायरी डेट की पानी की बोतल बेच रहा था। स्थानीय लोगों की शिकायत पर खाद सुरक्षा अधिकारी ने छापेमारी की,तो उसकी दुकान में 766 बोतलें एक्सपायर डेट की पाई गईं। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने उनमें से 16 बोतलें तो जांच के लिए सील कर दी जबकि 750 पानी की बोतलें मौके पर ही नष्ट करवा दी, ताकि भविष्य में उनका कोई उपयोग न कर सके। यह घटना जिला श्रावस्ती के हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र की है। एक उपभोक्ता ने जब दुकान से पानी की बोतल को खरीदा तो उसने देखा कि पानी की पैकिंग के समय जो एक्सपायरी डेट अंकित है वह बीत चुकी है। इस पर उसने इसकी सूचना एसडीएम को दी। एसडीएम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए खाद सुरक्षा अधिकारी को मामले में कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। जिसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने पुलिस टीम के साथ संबंधित दुकान में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उक्त एक्सपायरी डेट

की पानी की बोतलें पकड़ी गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कहना है कि एक्सपायरी डेट के पानी के नमूने की रिपोर्ट आने के बाद दुकानदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसी प्रकार ग्वालियर में बिना किसी ट्रेडमार्क, मैन्युफैक्चरिंग डिटेल्स और एक्सपायरी डेट का पानी बाजार में बेचकर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जिला मजिस्ट्रेट ने की है। उन्होंने तहसील दिवस पर जनसुनवाई के दौरान एक्सपायरी डेट का बोतल बंद पानी बेचने वालों के खिलाफ एडीएम को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान लोगों ने क्षेत्र की दुकानों पर बिना मैन्युफैक्चरिंग डिटेल्स व बिना एक्सपायरी डेट अंकित किए पानी के पाउच बिकने की शिकायत की थी। उपभोक्ता अपने साथ खाली पाउच लेकर आए थे। इन पाउच में ट्रेडमार्क, मैन्युफैक्चरिंग व एक्सपायरी डेट छपी हुई नहीं थी। जिसे जिला मजिस्ट्रेट ने गम्भीरता से लिया और दोषी दुकानदारों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। दरअसल पानी जिसे जल ही जीवन कहा गया है,हमारे स्वास्थ्य में एक अहम योगदान करता है। तभी तो चिकित्सक भी पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह देते हैं। पानी का सेवन न सिर्फ हमारे शरीर को अंदर से हाइड्रेट रखता है बल्कि इसका असर हमारी त्वचा और सम्पूर्ण स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। वहीं शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन से लेकर थकान, सिरदर्द, चक्कर आना और कब्ज जैसी समस्या हो सकती है। लेकिन शायद ही हम कभी यह सोचते हो कि बोतल बंद पानी की भी एक्सपायरी डेट होती है। वास्तव में हम कितने दिनों तक का रखा हुआ या फिर बोतल बंद पानी पी सकते हैं? कानून की दृष्टि से भी एक्सपायरी डेट का पानी बेचना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत उपभोक्ताओं के प्रति घोर लापरवाही व सेवाओं में कमी की परिधि में आता है। जिसके लिए विक्रेता को जवाबदेह ठहराया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप पीड़ित उपभोक्ता को मुआवजा या अन्य राहत उपभोक्ता आयोग में शिकायत करने पर मिल सकती है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रुड़की के वरिष्ठ वैज्ञानिक रहे संजय जैन का कहना है कि अगर पानी पूरी तरह से शुद्ध है तो वह खराब नहीं होता है। क्योंकि शुद्ध पानी में किसी भी तरह के बैक्टीरिया, मिनरल्स और अशुद्धियां नहीं पाई जाती हैं। जब तक पानी में किसी तरह की अशुद्धि नहीं होती है तब तक वह खराब भी नहीं होता है। यदि पानी किसी गंदे कंटेनर या किसी खराब चीज के संपर्क में नहीं आता है वह तब तक खराब नहीं होता। लेकिन स्टोर किए गए पानी की क्वालिटी इस बात पर निर्भर करती है कि उसको कैसे और किस जगह पर स्टोर किया गया है। वहीं बोतल बंद पानी को ठंडी, सूखी और अंधेरी जगह पर रखा जाता है तो ऐसी बोतल में रखा पानी एक्सपायरी डेट के बाद भी काफी समय तक सेफ रख सकता हैं। लेकिन तब भी इसका टेस्ट बदल सकता है। इसलिए ऐसे पानी को पीना कतई सही नहीं है। वही अगर पानी की बोतल खुल गई है तो इस पानी को 2–3 दिन के अंदर तक ही पी सकते हैं। क्योंकि बोतल खुलने के बाद इसमें बैक्टीरिया और फंगस होने की संभावना बढ़ जाती है।

शिक्षा जगत में जाति, भारत से विदेश तक योग्यतावाद

अमृता दासगुप्ता

प्रोफेसर मरूना मुर्मू (जादवपुर विश्वविद्यालय, इतिहास विभाग की प्रोफेसर) का जातिवादी अपमान जारी है। हाल ही में, उनसे अदालत में यह साबित करने के लिए कहा गया है कि उन्होंने कितनी पढ़ाई की है कि वे खुद को प्रोफेसर कहती हैं। पीछे मुड़कर देखें तो, यह उनके लिए पाँच साल लंबी लड़ाई रही है। इसकी शुरुआत कोविड–19 आपातकाल के दौरान परीक्षा आयोजित करने के मुद्दे पर उनकी टिप्पणी से हुई थी – एक ऐसा विषय जिस पर पूरे देश में व्यापक रूप से बहस हुई थी। प्रोफेसर मुर्मू ने सरकार के इस फैसले से छात्रों की जान जोखिम में पड़ने पर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी। इसके जवाब में, पश्चिम बंगाल के बेथ्यून कॉलेज की एक छात्रा, पारोमिता घोष ने प्रोफेसर मुर्मू की आदिवासी जातीय पहचान पर हमला करते हुए कहा था कि अयोग्य और अक्षम लोग आरक्षण प्रणाली का लाभ उठाते हैं जबकि योग्य लोग पिछड़ जाते हैं। प्रोफेसर मुर्मू ने छात्र के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 154 और अनुसूचित जातिध अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई। मामला अभी भी लंबित है, जिससे प्रोफेसर मुर्मू को रोजमर्रा की जिंदगी में अकथनीय परीक्षणों से गुजरना पड़ रहा है। सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए संघर्ष करते हुए उनका भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है। इस मामले के संबंध में, बंगाल के जातिविहीन राज्य होने के निराधार विचारों के बारे में पहले ही बहुत कुछ कहा जा चुका है। अब बस यह मूल्यांकन करना बाकी है कि वर्तमान समय में दुनिया भर में जाति और योग्यता के संबंधों को कैसे जीवित रखा जाता है, जो अंबेडकर के इस कथन को सत्य साबित करता हैरू ष्यदि हिंदू दुनिया के अन्य देशों में पलायन करते हैं, तो जाति एक वैश्विक समस्या बन जाएगी।ष्ख्पप, निस्संदेह, यह भारत से शुरू होकर दुनिया भर में अपनी जड़ें फैलाएगा। वैश्विक शिक्षा जगत में जातिगत भेदभाव को पोषित करने वाले तीन बुनियादी घटक हैंरू अंग्रेजी भाषा, विदेशी संदर्भ के कारण, और विदेशों में कक्षाओं में जाति और प्रवासी समुदायों का परस्पर संबंध। भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई पदानुक्रम मौजूद हैं। उनमें से एक है अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा तक पहुँच, जो अक्सर केवल विशेषाधिकार प्राप्त जातियों और वर्गों के लिए ही उपलब्ध होती है। जिन सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों में शिक्षा का माध्यम क्षेत्रीय भाषा होती है, वे आमतौर पर हाशिए पर पड़ी जातियों के लिए होते हैं। संक्षेप में, जाति–आधारित हाशिए पर पड़े छात्र हमेशा अंग्रेजी में पारंगत नहीं होते। वे क्षेत्रीय भाषाओं या बोलियों में संवाद करते हैं। सवर्ण या उच्च जातियाँ भारत और विदेशों में शैक्षणिक परिदृश्य पर प्रमुखता से राज करती हैं। जातिवाद को स्पष्ट रूप से नकारने के बावजूद, भारत में कई प्रोफेसर अंग्रेजी माध्यम की पृष्ठभूमि वाले छात्रों को प्राथमिकता देते हैं और अगर छात्र क्षेत्रीय भाषाओं में कक्षाएं लेना पसंद करते हैं तो वे असहज महसूस करते हैं। इस प्रकार, अंग्रेजी में प्रवाह भारतीय शिक्षा प्रणाली में वर्ग और जाति के आधार पर भेदभाव का प्राथमिक चरण बन जाता है। किसी छात्र की जिज्ञासा या विचारों की आलोचनात्मकता के बजाय अंग्रेजी में उसकी दक्षता को महत्व देना जातिवाद और वर्ग विशेषाधिकार का एक और संकेत है। स्थानीय शिक्षा पृष्ठभूमि वाले छात्र को मार्गदर्शन देने के लिए अतिरिक्त श्रम की आवश्यकता होती है। अतिरिक्त काम से बचने के लिए, सवर्ण मार्गदर्शक जाति–आधारित हाशिए पर पड़े छात्रों को विदेशी विश्वविद्यालयों में आवेदन करने से हतोत्साहित करते हैं। मूलतः, यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे भाषा की समस्याएँ आवश्यक आलोचनात्मक कुशाग्रता के बावजूद उनके शैक्षणिक भाग्य का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण कारक बन जाती हैं। परिणामस्वरूप, भारत में, अंग्रेजी–भाषी, जाति–विशेषाधिकार प्राप्त छात्र ही विदेशों में पूर्ण छात्रवृत्ति के साथ प्रवेश पाने में मुख्य रूप से सफल होते हैं। ये वे छात्र हैं जिनके लिए प्रोफेसर आसानी से सिफारिशें लिखते हैं, उन्हें अपने सहकर्मियों और विदेशी नेटवर्क से जोड़ते हैं। इससे आपूर्ति का एक अंतहीन चक्र बनता है जो सवर्ण विद्वानों के वैश्विक नेटवर्क को बनाए रखता है। इस प्रकार, जाति–हाशिए पर पड़े विद्वानों को जानबूझकर इस क्षेत्र से बाहर धकेला जाता हैकृमानो, यह कोई ऐसी चीज हो जिसके वे योग्य ही न हों, और यह एक ऐसी दुनिया हो जो उनके लिए अप्राप्य हो। इस संदर्भ में, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सुमित समोस ने भी कुछ इसी तरह के विचार व्यक्त किए। कक्षा में प्रवेश करते ही मुझे एहसास हुआ कि मैं वहाँ के अधिकांश भारतीयों और पाकिस्तानियों से अलग हूँ। एक बार जब आप बोलना शुरू करते हैं, तो लोग समझ जाते हैं कि आप किस जाति से हैं, क्योंकि मैं हाशिए के समुदायों के प्रतीकों, आंदोलनों और राजनीतिक नेताओं के बारे में बात करता था। यह एक बहुत ही अस्पष्ट क्षेत्र है क्योंकि अगर वे आपके साथ नहीं रहना चाहते, तो वे बस यह कह सकते हैं कि यह व्यक्तिगत मतभेद हैं, यह जाति का मामला नहीं है। विदेशों में कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले विषयों में जाति को जानबूझकर संदर्भ में शामिल करने की कोशिश की जाती है, खासकर अगर यह दक्षिण एशिया से संबंधित पाठ्यक्रम हो। ऐसे पाठ्यक्रम लेने वाले छात्र आमतौर पर दक्षिण एशिया के प्रवासी या अंतर्राष्ट्रीय छात्र होते हैं। इस तरह उन्हें दक्षिण एशिया के बारे में सामान्य जानकारी होती है। हालाँकि उन्हें दक्षिण एशिया के बारे में जानकारी हो सकती है, लेकिन वे जाति के बारे में नहीं जानते होंगे या अपने परिवारों द्वारा उन्हें दिए गए जातिगत पूर्वाग्रहों के साथ कक्षा में प्रवेश कर सकते हैं। इनमें से कई छात्र, जो विदेशों में कक्षाओं में जाति के सवाल से उत्तेजित हो जाते हैं, भारत के उच्च–जाति के कुलीन वर्ग के होते हैं। इन छात्रों को पहले कभी जाति पर किसी भी तरह के आलोचनात्मक दृष्टिकोण का सामना नहीं करना पड़ा है, इसलिए वे एक प्रकार की असहजता महसूस करते हैं जो उत्तेजक लग सकती है। विदेशों में जाति को सामने लाने वाले ऐसे पाठ्यक्रमों का विचार जाति से जुड़ी असहजता को एक ऐसे शिक्षण अनुभव में बदलने का है जो दुनिया और उसकी असमानताओं की बेहतर समझ विकसित करे। संयुक्त राज्य अमेरिका के विश्वविद्यालयों के उदाहरणों का अनुसरण करते हुए, नवंबर 2023 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने जाति–विरोधी रुख अपनाया और जाति को एक संरक्षित श्रेणी के रूप में मान्यता दी।ख्पअ, ब्रिटिश भेदभाव कानून में जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न को स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया है। हालाँकि, समानता अधिनियम 2010 में यह प्रावधान है कि किसी मंत्री के आदेश से, जाति को नस्ल का एक पहलू माना जा सकता है।ख्ब, फिर भी, विदेशों में जातिगत हाशिये पर पड़े छात्रों और शिक्षाविदों के लिए जगह बनाने की नीतियाँ विफल हो जाती हैं, क्योंकि भारत में कई सवर्ण शिक्षाविद, विदेशी विश्वविद्यालयों में जातिगत हाशिये पर पड़े छात्रों की योग्यता–आधारित स्वीकृति की उम्मीदों को, उनकी अंग्रेजी दक्षता को कम करके, और उन्हें सहायक और उत्साही सिफारिशों से वंचित करके, जड़ से खत्म कर देते हैं। प्रो. मरूना मुर्मू जिस दौर से गुजर रही हैं, वह शिक्षा जगत में व्याप्त जातिगत भेदभावपूर्ण दुष्चक्र का प्रमाण है।

मुख्य न्यायाधीश पर हमला, संयोग या प्रयोग

प्रेम शर्मा

सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के भीतर एक ऐसी घटना हुई, जिसकी कल्पना भी कभी नहीं की गई होगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर एक वकील ने जूता उछालने की कोशिश की। यह घटना उस वक्त हुई जब जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली बेंच वकीलों के मामलों की सुनवाई के लिए मेंशन सुन रही थी। बताया जा रहा है कि आरोपी वकील राकेश किशोर जज के डाइस के करीब पहुंचा और जूता उतारकर फेंकने की कोशिश की, हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते उसे रोक लिया। सुरक्षाकर्मी जब आरोपी वकील को पकड़कर बाहर ले जा रहे थे, तब वह सनातन का अपमान नहीं सहेंगे का नारा लगा रहा था। उसके नारे से सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि वह कट्टर दक्षिणपंथी मानसिकता का है, जिसके लिए संविधान मायने नहीं रखता, बल्कि धर्मांधता को वह तरजीह देता है। अब इस मामले की पूरी जांच होगी, तब पता चलेगा कि मुख्य न्यायाधीश गवई पर जूता उछालने का दुस्साहस आखिर उसने क्यों किया। हो सकता है 16 सितंबर को खजुराहो मामले में दिए फैसले से आरोपी नाराज हो, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने खजुराहो के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची मूर्ति को दोबारा स्थापित करने की याचिका को खारिज कर दिया था। तब भी कुछ वकीलों ने इस फैसले पर नाराजगी जताई थी या फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में जस्टिस गवई की मां ने जाने से इंकार कर दिया, इस बात से आरोपी नाराज हो। कारण जो भी यह घटना आजाद भारत के इतिहास में एक बड़ा कलंक बन गई है और इसका जिम्मेदार सीधे–सीधे नरेन्द्र मोदी की सरकार को कहा जा सकता है। भाजपा पहले भी केंद्र की सत्ता में रही है, और हिंदुत्व के नाम पर नफरत फैलाने का काम उसने पहले भी किया है। बाबरी मस्जिद को तोड़ना, गुजरात दंगे इसके उदाहरण हैं।

लेकिन समाज में नफरत के इजहार को लेकर एक झिझक और संकोच था। सहिष्णुता का एक महीन सा आवरण समाज पर डला हुआ था, जो अब पूरी तरह तार–तार हो चुका है। नफरत करना और उतनी ही बेशर्मी से उसका इजहार करना अब गर्व की बात हो चुकी है। संघ से प्रेरित लोग काफी अरसे से नारा देते आए हैं कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं। पहले इस नारे को लगाने में लोग हिचकते थे। मगर अब मोदी सरकार में पूरा माहौल बदल चुका है। राहुल गांधी ने नफरत का कैरोसिन पूरे देश में छिड़के जाने का जो दावा किया था, वह सही दिखाई दे रहा है। देश में जातिवादी और धार्मिक आधार पर हिंसा अब भयावह रूप में सामने आ रही है। जस्टिस गवई पर हमला केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, न ही यह क्षणिक भावावेश में की गई हरकत है। बल्कि यह कई बरसों से समाज में भरी जा रही नफरत का निचोड़ है। याद रहे कि जस्टिस गवई दलित समुदाय से आने वाले दूसरे मुख्य न्यायाधीश बने हैं, लेकिन बौद्ध धर्म को मानने वाले वे पहले मुख्य न्यायाधीश हैं। हालांकि संविधान के हिसाब से न्याय की आसंदी पर बैठे व्यक्ति की धार्मिक आस्था मायने नहीं रखती है। लेकिन जब पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ राम मंदिर के लिए दिए फैसले से पहले देवी के सामने बैठने की बात कहते हैं, अपने घर में गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बुलाकर उसका सार्वजनिक इजहार करते हैं, तब समाज भी इस तथ्य को मानने लगता है कि न्यायपालिका में धार्मिक आस्था के लिए जगह बन चुकी है। अगर जस्टिस गवई की जगह कोई सवर्ण हिंदू इस समय मुख्य न्यायाधीश के पद पर होता, तब शायद इस तरह जूता उछालने का दुस्साहस नहीं किया जाता। लेकिन वे दलित हैं, क्या इसलिए उन पर हमले की कोशिश की गई, यह सवाल गंभीरता से विचार की मांग करता है। इस घटना पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा है कि दलित और अल्पसंख्यक होना इस देश में गुनाह बना दिया गया है, उनकी इस टिप्पणी को खारिज नहीं किया जा सकता। क्योंकि दलितों और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ ही रहे हैं। अभी एनसीआरबी के ताजा आंकड़े भी यही बता रहे हैं कि इन आंकड़ों में कोई कमी नहीं आई है। अभी उत्तरप्रदेश में ही मानसिक तौर पर विक्षिप्त एक दलित युवक की पीट–पीट कर हत्या कर दी गई है। बरेली में आई लव मुहम्मद कहने पर ऐसा बवाल चल रहा है कि जुमे की नमाज के बाद लोगों से सीधे घर जाने की अपील की गई। ओडिशा में देवी विसर्जन के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। ये सारी घटनाएं भले छिटपुट दिखें और इनमें व्यापक तौर पर जान–माल का नुकसान न हो, लेकिन समाज को जो दीर्घकालिक नुकसान हो चुका है, अब उसकी भरपाई होनी चाहिए। इस तरह के नुकसान का सिलसिला अगर बढ़ता रहे तो फिर वाकई वैसा ही हिंदुस्तान बन जाएगा, जिसकी कोशिश में पिछले सौ सालों से संघ लगा हुआ है। मोहन भागवत हिंदू समाज की एकजुटता की बात कहें या मुसलमानों को साथ लेकर चलने की बात कहें, असल में संघ एक सवर्ण मानसिकता में पगा हुआ मनुवादी भारत बनाने की कोशिश में है। जिसमें अल्पसंख्यक, दलित, पिछड़ी जाति के लोग, महिलाएं सब सवर्ण पुरुषों के रहमोकरम पर रहें। अगर उन्होंने अच्छा व्यवहार किया तो इसे सौभाग्य समझें और अगर उत्पीड़न सहना पड़े तो पिछले जन्म के कर्मों का फल, इस तरह का देश बनाने की कोशिश में संघ लगा है। अब समाज को सोचना होगा कि उसे संविधान वाला देश चाहिए या फिर ऐसा देश जहां मुख्य न्यायाधीश की गरिमा भी दांव पर लगा दी गई है।

कांतारा: चैप्टर 1 के स्टार ऋषभ शेट्टी और उनकी टीम से दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने की मुलाकात

> फिल्म भारत की आध्यात्मिक गहराई और सांस्कृतिक समृद्धि को खूबसूरती से पेश करती है, हमारी परंपराओं की आत्मा को जीवंत करती है। कांतारा जैसी रचनाएँ गर्व से हमारी विरासत की भावना को वैश्विक मंच तक पहुँचाती हैं।कांतारा: चौप्टर १ चौथी सदी में सेट है और यह कांतारा की पवित्र और रहस्यमय धरती की कहानी दिखाती है।

दुनियाभर में लंबे इंतजार के बाद, होम्बले फिल्म्स और ऋषभ शेट्टी की कांतारारू चौप्टर 1, जो कांतारारू अ लीजेंड का प्रीक्वल है, पिछले हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म के ट्रेलर और गानों ने पहले ही इंटरनेट पर धमाल मचा दिया था, लेकिन रिलीज के बाद इसने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ दिए और एक ग्लोबल फेनोमेनन बन गई। दुनियाभर के दर्शक और समीक्षको ने इसकी दमदार कहानी, शानदार परफॉर्मेंस और लाजवाब विजुअल्स की तारीफ करनी जारी रखा है। ऐसे में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता हाल ही में मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में फिल्म कांतारारू चौप्टर 1 की टीम से मिली, जिसमें अभिनेता और निर्देशक रिषभ शेट्टी भी शामिल थे। इस मुलाकात में भारतीय फिल्मों की बढ़ती पहचान और यह दिखाने की ताकत बताई गई कि कैसे ये फिल्में भारत की आध्यात्मिक और पारंपरिक संस्कृति को सामने लाती हैं और उसे बचाती हैं। उन्होंने अपनी इस मुलाकात के बारे में अपने एक्स हैंडल पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा है, आज मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में हम कांतारारू चौप्टर 1 के एक्टर और डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी, और उनकी टीम से मिले। फिल्म भारत की आध्यात्मिक गहराई और सांस्कृतिक समृद्धि को खूबसूरती से पेश करती है, हमारी परंपराओं की आत्मा को जीवंत करती है। कांतारा जैसी रचनाएँ गर्व से हमारी विरासत की भावना को वैश्विक मंच तक पहुँचाती हैं।कांतारा: चौप्टर 1 चौथी सदी में सेट है और यह कांतारा की पवित्र और रहस्यमय धरती की कहानी दिखाती है। फिल्म में इसकी पुरानी कहानियां, पुराने झगड़े और खास घटनाएं दिखाई गई हैं। यहाँ लोककथाओं, विश्वास और संघर्ष की कहानी है, जो सीधे धरती से जुड़ी है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी, सप्तमी गौड़ा, गुलशन देवैया, रुक्मिणी वसंत, जयराम, पीडी सतीश चंद्र, प्रकाश थुमिनाड जैसे कई कलाकार हैं, जिन्होंने इस कहानी को जीता–जागता बना दिया है। कांतारा: चौप्टर 1 को ऋषभ शेट्टी ने लिखा, डायरेक्ट किया और उसमें लीड भूमिका निभाई निभाई है। इस फिल्म को विजय किरगंदुर ने होम्बले फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म में अरविंद एस. कश्यप की सिनेमेटोग्राफी है, जबकि बी. अजनीश लोकनाथ का म्यूजिक है, जिन्होंने इस कहानी की जादुई दुनिया को बनाने में बड़ी मदद की। कांतारा चौप्टर 1, 2 अक्टूबर 2025 को दुनियाभर में रिलीज हो चुकी है।

दूसरी बार पिता बनने के बाद पहली बार दिखे अरबाज खान, बेटे अरहान संग अस्पताल के बाहर हुए स्पॉट

बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर अरबाज खान इस समय बेहद खुश नजर आ रहे हैं। हाल ही में उनकी पत्नी शूरा खान ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है, जिसे लेकर पूरे खान परिवार में खुशी का माहौल है। कोई न कोई फैमिली मेंबर लगातार अस्पताल में शूरा और नन्ही परी से मिलने पहुंच रहा है। इसी बीच हाल ही में अरबाज खान को दूसरी बार पापा बनने के बाद पहली बार स्पॉट किया गया, जहां से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शूरा खान ने मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में बेटी को जन्म दिया है। ऐसे में पूरे खान परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे और नवजात बेटी से मिलने की खुशी में शामिल हुए। वहीं, हाल ही में जो अरबाज का वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक्टर अपने बेटे अरहान खान संग न्यूबॉर्न बेबी को मिलकर अस्पताल से बाहर आ रहे हैं। इस दौरान अरबाज का बेहद कैजुअल लुक देखने को मिल रहा है। वहीं, अरहान भी कूल लुक में नजर आ रहे हैं। बता दें, इससे पहले अरबाज के बड़े भाई सलमान खान भी अस्पताल पहुंचे थे और उनके चेहरे पर भतीजी से मिलने की खुशी साफ तौर पर दिखाई दे रही थी। शूरा और अरबाज की शादी 24 दिसंबर 2024 को हुई थी। दोनों ने फैमिली और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में निकाह किया था। शूरा अरबाज की दूसरी पत्नी हैं और दोनों के बीच करीब 23 साल का उम्र का अंतर है। इससे पहले अरबाज की शादी मलाइका अरोड़ा से हुई थी, जिससे उनका एक बेटा अरहान खान है। हालांकि, कुछ सालो बाद 2017 में दोनों का तलाक हो गया था।

रजनीश घई ने की 120 बहादुर के कलाकारों को बताया शानदार, कहा-मैंने उन्हें बहुत ही कठिन प्रक्रिया से निकाला..

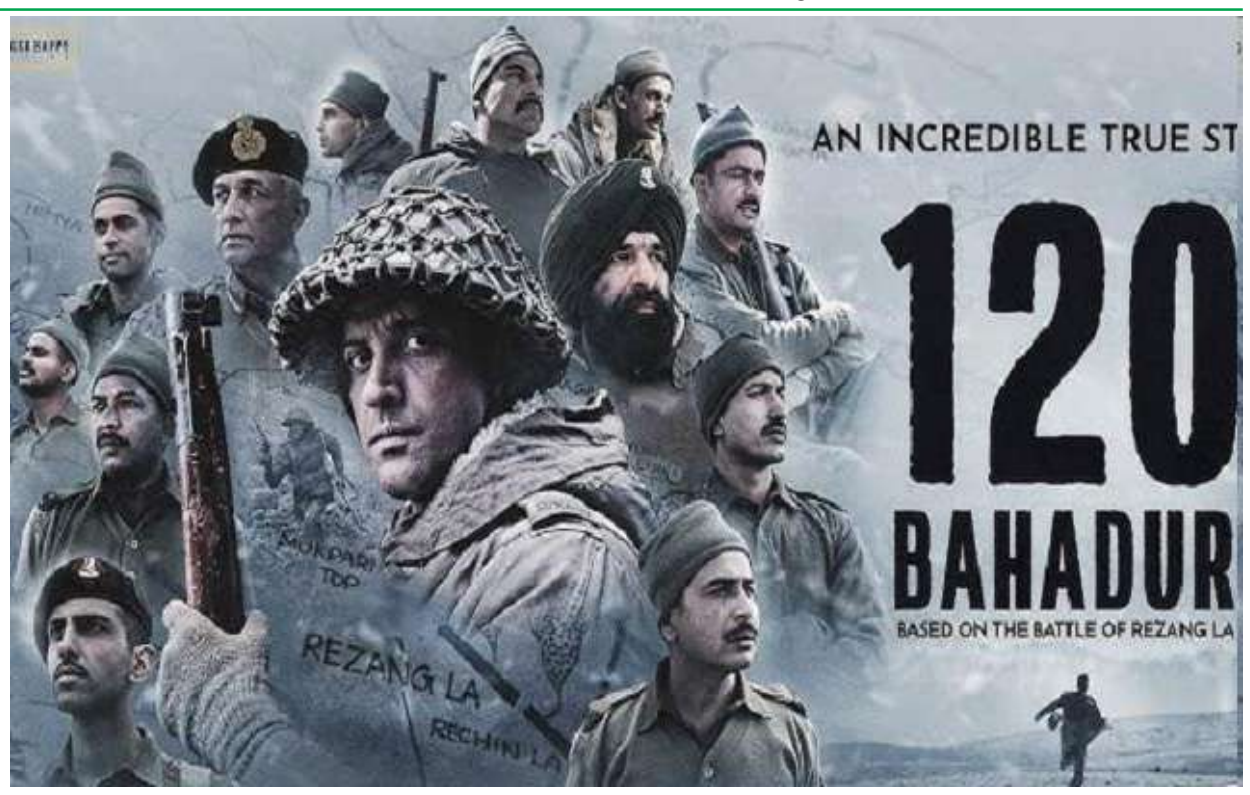

निर्देशक रजनीश घई की आने वाली वॉर ड्रामा '120 बहादुर' का दूसरा टीजर 20 सितंबर को, यानी लता मंगेशकर की जयंती के दिन रिलीज किया गया था। टीजर को देशभर के दर्शकों से जबरदस्त प्यार और प्रतिक्रिया मिली। वहीं, अब इस फिल्म के निर्देशक रजनीश घई ने फिल्म की मेकिंग से जुड़ी दिलचस्प जानकारी शेयर की है। रजनीश रैजी घई ने बताया, 120 बहादुर में चार्ली कंपनी के सैनिकों का किरदार निभाने वाले कलाकार वाकई शानदार हैं। ज्यादातर कलाकार पहली बार फिल्म में काम कर रहे हैं, उन्होंने पहले कभी कोई फिल्म नहीं की है। मैंने उन्हें एक बहुत ही कठिन प्रक्रिया से निकाला। उन्होंने कहा, हमने उसी अंतरराष्ट्रीय एक्शन टीम को लिया जिसने ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट पर काम किया था, जिसने कई ऑस्कर जीते थे। वे महीनों तक भारत में रहे और हमारे कलाकारों को हथियार चलाने, बॉडी लैंग्वेज, हाथ से हाथ मिलाने और 303 राइफल चलाने का गहन प्रशिक्षण दिया। एक्शन टीम और हमारी तरफ से काफी तैयारी की जरूरत थी। घई ने कहा, एक आर्मी बॉय होने के नाते, मैं सेना के जीवन की बुनियादी बातें, अनुशासन, बारीकियों और तौर–तरीकों को समझता हूं और हमने यह सुनिश्चित किया है कि यह सब स्क्रीन पर पूरी तरह से दिखाई दे। मुझे लगता है कि सभी कलाकारों ने कमाल का काम किया है और यह कुछ ऐसा है जिसे दुनिया बहुत जल्द देखेगी। बता दें, फिल्म ₹120 बहादुर₹ 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 भारतीय सैनिकों के असाधारण साहस को बयान करती है, जिन्होंने 1962 के वॉर के दौरान रेजांग ला की लड़ाई लड़ी थी। इस फिल्म में फरहान अख्तर ने मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी की भूमिका निभाई है, जिन्होंने अपने जवानों के साथ मिलकर भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे निर्णायक लड़ाइयों में से एक में हर मुश्किल का सामना किया था। इस फिल्म को रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट), और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म 120 बहादुर 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मालती चाहर ने बिग बॉस में आते ही मचाया बवाल, कहा- इन तीन कंटेस्टेंट्स को कर दो बाहर!

भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर हाल ही में सलमान खान के शो, बिग बॉस 19 में नज़र आए। हालाँकि, शो में उनकी उपस्थिति किसी प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, बल्कि अपनी बहन मालती चाहर को सीज़न की दूसरी वाइल्डकार्ड प्रतिभागी के रूप में पेश करने के लिए थी। मालती ने रविवार को घर में प्रवेश किया और तब से ही घरवाले इस बात को लेकर कयास लगा रहे हैं कि वह किस ग्रुप में शामिल हो सकती हैं। हालाँकि, एक प्रतिभागी जो उनके प्रवेश के बाद विशेष रूप से असहज लग रही हैं, वह हैं तान्या मित्तल। सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले इस रियलिटी शो में प्रवेश करने से कुछ मिनट पहले, इस अभिनेत्री–लेखिका ने इंडिया टुडे से विशेष बातचीत की और अपनी रणनीतियों पर चर्चा की। दिलचस्प बात यह है कि यह पहला सीज़न है जिसे मालती ने देखा है, लेकिन यह उन्हें अपना प्रशंसक बनाने में कामयाब रहा। उन्होंने कहा, ष्मैंने शबिग बॉसश का सिर्फ़ यही सीज़न देखा है और मुझे यह बहुत पसंद आया। इसलिए जब मुझे वाइल्डकार्ड के तौर पर शो में आने का प्रस्ताव मिला, तो मैंने तुरंत हाँ कर दिया। कई लोग जो सीज़न के बीच में शो में शामिल होने को लेकर चिंतित रहते हैं, उनके विपरीत, मालती को इस बात की साफ़ समझ थी कि वह क्या करने जा रही हैं। उन्होंने बताया कि छह हफ़्तों के बाद घर में प्रवेश करना उनके लिए फ़ायदे और नुकसान दोनों साबित होगा। हर प्रतियोगी और उनके खेल को जानना उनके लिए फ़ायदेमंद होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि घर में और दर्शकों के दिलों में जगह बनाने के लिए उनसे मुकाबला करना भी एक चुनौती होगी।

मालती चाहर ने शबिग बॉस 1श में अपना ग्रुप बनाने पर कहा फ़िलहाल घर दो ग्रुपों में बँटा हुआ है, लेकिन मालती ने स्वीकार किया कि वह अभी किसी एक पक्ष को चुनने के मूड में नहीं हैं। ष्मैं किसी टीम में शामिल नहीं होना चाहती। लेकिन मैं अपने लोगों का एक ग्रुप बनाना चाहती हूँ। मैं कोई तीसरा ग्रुप नहीं बनाना चाहती। मैं सबके साथ बातचीत करूँगी और फिर तय करूँगी कि क्या करना है। हालाँकि, मैं अमाल और उनकी टीम को ज़रूर बेहतर तरीके से जानना चाहूँगी। अपनी रणनीति के बारे में बात करते हुए, मालती चाहर ने कहा कि वह इसे पूरी तरह से गुप्त रखना चाहती हैं। उन्होंने हँसते हुए कहा, मैं यह किसी को नहीं बताऊँगी। यह एक निजी राज़ है। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि खेल के अलावा, वह हर हफ़्ते होस्ट सलमान खान से बातचीत करने और उनकी प्रतिक्रिया लेने के लिए उत्सुक हैं। हालाँकि वह क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन के रूप में ज़्यादा जानी जाती हैं, मालती ने कहा कि वह अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हैं।

ट्यूलिप्स ने भारत में लान्च किए एडल्ट डायपर पैंट्स, बोमन ईरानी बने ब्रांड एंबेसडर

> एक्टर बोमन ईरानी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस अभियान का नाम रखा गया है "लाइफ पर फुल कंट्रोल", जिसका उद्देश्य है जागरूकता बढ़ाना और एडल्ट डायपर इस्तेमाल को लेकर बनी झिझक को तोड़ना।

भारत के अग्रणी पर्सनल हाइजीन ब्रांड ट्यूलिप्स ने आज एडल्ट हाइजीन कैटेगरी में कदम रखते हुए ट्यूलिप्स एडल्ट डायपर पैंट्सलॉन्च किए। इसके साथ ही, ब्रांड ने बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर बोमन ईरानी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस अभियान का नाम रखा गया है "लाइफ पर फुल कंट्रोल", जिसका उद्देश्य है जागरूकता बढ़ाना और एडल्ट डायपर इस्तेमाल को लेकर बनी झिझक को तोड़ना। नए लॉन्च हुए ट्यूलिप्स एडल्ट डायपर पैंट्स में एलोवेरा–कोटेड अंदरूनी परत दी गई है जिससे आरामदायक अनुभव मिलता है। इसमें एडवांस्ड लीक प्रोटेक्शन है जो 10 घंटे तक सुरक्षा देता है, ओडर लॉक टेक्नोलॉजी है जिससे पूरे दिन ताजगी बनी रहती है, और टियर–अवे साइड पैनल्स हैं ताकि आसानी से निकाला जा सके। ये डायपर यूनिसेक्स पुल–अप स्टाइल में हर साइज में उपलब्ध हैं और दिखने–सोचने में बिल्कुल सामान्य अंडरवियर जैसे हैं। लॉन्च पर ट्यूलिप्स के डायरेक्टर राहुल जैन ने कहा आजकल की लाइफस्टाइल से ज्यादातर सीनियर सिटीजन्स को ब्लैडर कंट्रोल की समस्या होती है, जिससे बार–बार पेशाब जाने की दिक्कत (यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस) बढ़ रही है। डायबिटीज, प्रोस्टेट की दिक्कत, बार–बार यूटीआई या महिलाओं में मेनोपॉज जैसी समस्याएं इसे और गंभीर बनाती हैं। हमारे सर्वे में कई बुजुर्गों ने माना कि एडल्ट डायपर का इस्तेमाल 'डिपेंडेंसी' जैसा लगता है, इसलिए लोग इस पर बात करने से भी कतराते हैं। इसी वजह से भारत में इसका मार्केट अभी सिर्फ 2: तक सीमित है। हमें लगा कि इस विषय पर एक नेशनल बातचीत शुरू करना जरूरी है। इसके लिए एक मजबूत और सम्मानित आवाज चाहिए थी, और इसके लिए बोमन ईरानी से बेहतर कोई नहीं हो सकता। आज हम उनके साथ एक सेंसिटिव शॉर्ट फिल्म भी रिलीज कर रहे हैं, जो बुजुर्गों को प्रेरित करेगी कि डायपर को कमजोरी नहीं, बल्कि आजादी और आत्मनिर्भरता का साधन समझें। बोमन ईरानी ने अपनी खुशी जताते हुए कहा– "मैं ट्यूलिप्स के साथ जुड़कर बहुत खुश हूं। उम्र का मतलब कभी भी रोक–टोक नहीं होना चाहिए। ट्यूलिप्स एडल्ट डायपर पैंट्स सीनियर सिटीजन्स को आराम, आत्मनिर्भरता और आत्म–सम्मान के साथ जीने में मदद करेंगे। इनोवेशन की अपनी विरासत के साथ ट्यूलिप्स हमेशा लोगों की असली समस्याओं का हल ढूँढता आया है। भारत में 2017 में 100: फ्लशेबल वेट वाइप्स लाने वाला पहला ब्रांड हो या कोविड काल में देश का पहला कोविड स्वैब बनाने वाला दृ ट्यूलिप्स लगातार नई राह दिखाता रहा है। आज, 17 से ज्यादा देशों में हर साल 6 करोड़ से अधिक ट्यूलिप्स प्रोडक्ट्स इस्तेमाल होते हैं, जो ग्राहकों के भरोसे को साबित करता है।

घर पर इन चीजों से बनाकर तैयार करें फ्लोर क्लीनर, मिनटों में साफ हो जाएंगे दाग-धब्बे

फ्लोर क्लीनर का इस्तेमाल किए बिना फर्श पर लगे दाग को साफ करना मुश्किल होता है। इसलिए क्लीनर का इस्तेमाल करते समय कई बातों का खास ख्याल रखना होता है। ऐसे में आप घर पर नेचुरल होममेड फ्लोर क्लीनर बना सकते हैं।

हम सभी अपने घरों की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं। लेकिन कई बार फर्श को साफ करना मुश्किल होता है। खासकर अगर आप क्लीनर का इस्तेमाल नहीं करती हैं। हालांकि मार्केट में कई तरह के फ्लोर क्लीनर मिल जाएंगे, जिनसे फ्लोर आसानी से साफ हो जाता है। लेकिन इनमें ऐसे रसायन मिले होते हैं, जिनका लंबे समय तक उपयोग करने से फ्लोर का ओरिजनल कलर चला जाता है। साथ ही अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं, तो यह क्लीनर उनके लिए भी हानिकारक हो सकते हैं।

हालांकि फ्लोर क्लीनर का इस्तेमाल किए बिना फर्श पर लगे दाग को साफ करना मुश्किल होता है। इसलिए क्लीनर का इस्तेमाल करते समय कई बातों का खास ख्याल रखना होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह से घर पर नेचुरल होममेड फ्लोर क्लीनर बना सकते हैं।

रबिंग अल्कोहल से बनाएं फ्लोर क्लीनर

रबिंग अल्कोहल को भी आप फ्लोर क्लीनर की तरह से इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें नेचुरल काटाणुनाशक पाए जाते हैं, जो फर्श पर मौजूद कीटाणुओं को मारने के साथ फर्श पर जमी गंदगी, धूल और ग्रीस को हटाने में सहायता करता है। आप इससे कुछ ही मिनटों में गंदे फ्लोर को साफ कर सकती हैं। इसको बनाने के लिए रबिंक अल्कोहल और पानी को मिक्स कर स्प्रे बोतल में भर लें। यह आपके फ्लोर को चमकदार बना देगा।

विनेगर से बनाएं फ्लोर क्लीनर

विनेगर में एसिड पाया जाता है। यह कीटाणुओं और चिपकी हुई गंदगी को ढीला करता है और जमी हुई जिद्दी चर्बी को भी हटाने में सहायता करता है। लकड़ी के फर्श और लेमिनेट पर लगे दागों को साफ करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस क्लीनर को बनाने के लिए एक लीटर बोतल में आधे से कम सिरका और पानी डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब आप इसको फ्लोर क्लीनर के तौर पर इस्तेमाल कर सकती हैं।

बेकिंग सोडा और नींबू रस से बनाएं फ्लोर क्लीनर

बता दें कि फ्लोर क्लीनर बनाने के लिए आप किचन में रखे बेकिंग सोडा और नींबू के रस का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। सबसे पहले एक कटोरी में बेकिंग सोडा और नींबू का रस अच्छे से मिक्स कर एक लीटर पानी में डालें। इससे आपका फ्लोर चमक जाएगा।

लिवर डिटॉक्स के लिए एक चुटकी हल्दी है बेहद फायदेमंद!

फैटी लिवर एक सामान्य स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें लिवर में अतिरिक्त फैट जमा हो जाता है। यह अधिकतर मोटापा, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और खराब जीवनशैली से जुड़ा होता है, जो लिवर सिरोसिस, फेलियर और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। लेकिन सही समय पर ध्यान देकर और नैचुरल उपायों को अपनाकर इस समस्या को कंट्रोल किया जा सकता है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे हल्दी के नियमित सेवन से फैटी लिवर की समस्या को दूर किया जा सकता है और लिवर की सेहत में सुधार लाया जा सकता है।यहां हम आपको हल्दी के उपयोग से फैटी लिवर को ठीक करने के उपाय के बारे में बताएंगे, जिसे अपनाने से लिवर की सेहत में सुधार हो सकता है। साथ ही, इसे अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना भी जरूरी है।

फैटी लिवर क्या है?

फैटी लिवर एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर का 5: से अधिक हिस्सा फैट से भर जाता है। यह दो प्रकार के होते हैं–अल्कोहॉलिक फैटी लिवर अत्यधिक शराब के सेवन से होता है। नॉन–अल्कोहॉलिक फैटी लिवर यह अधिकतर मोटापा, डायबिटीज और खराब जीवनशैली के कारण होता है।

फैटी लिवर का समय पर इलाज न किया जाए, तो यह लिवर की गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

हल्दी कैसे है फायदेमंद?

हल्दी में कर्क्यूमिन नामक एक शक्तिशाली घटक पाया जाता है, जो लिवर की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। इसके एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण लिवर की सूजन को कम करते हैं और इसे स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, जबकि इसके एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाकर विषाक्त पदार्थों की सफाई करते हैं। हल्दी लिवर को डिटॉक्सिफाई करने के साथ–साथ अतिरिक्त फैट को भी कम करती है, जिससे फैटी लिवर की समस्या में राहत मिलती है। इसके अलावा, हल्दी का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, वजन घटाने में सहायक होता है, और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर लिवर पर पड़ने वाले दबाव को भी कम करता है।

किस प्रकार की हल्दी का उपयोग करें?

रसोई में इस्तेमाल होने वाली हल्दी से कुछ लाभ मिलते हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं हो सकती, क्योंकि उसमें कर्क्यूमिन की मात्रा कम होती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लाकडोंग हल्दी का उपयोग अधिक फायदेमंद है, जो मेघालय के पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाती है। इस हल्दी में कर्क्यूमिन की मात्रा सामान्य हल्दी से कई गुना अधिक होती है, जिससे यह फैटी लिवर की समस्या के उपचार में अधिक कारगर साबित होती है। अगर लाकडोंग हल्दी उपलब्ध न हो, तो आप सामान्य हल्दी का भी अधिक मात्रा में उपयोग कर सकते हैं, लेकिन डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

हल्दी का उपयोग कैसे करें?

1. हल्दी वाला दूध एक गिलास गर्म दूध में आधी चम्मच हल्दी मिलाकर रोज रात को सोने से पहले पिएं। यह लिवर की सफाई करने और फैट को कम करने में मदद करेगा।

2. हल्दी का काढ़ा पानी में लाकडोंग हल्दी, अदरक, शहद और काली मिर्च डालकर उबाल लें। इस काढ़े को रोजाना पीने से लिवर की सेहत में सुधार होगा।

3. खाने में हल्दी का इस्तेमाल रोज के भोजन में हल्दी को अधिक मात्रा में शामिल करें। हल्दी का सेवन न सिर्फ स्वाद को बढ़ाएगा बल्कि लिवर की सेहत के लिए भी लाभदायक होगा।

4. हल्दी और शहद का मिश्रण एक चम्मच हल्दी पाउडर में शहद मिलाकर खाली पेट लें। यह मिश्रण लिवर को स्वस्थ रखने और शरीर को डिटॉक्सिफाई करने में मददगार है।

5. हल्दी सप्लीमेंट्स अगर आपको हल्दी का स्वाद पसंद नहीं है या आप इसका अधिकतम लाभ उठाना चाहते हैं, तो आप डॉक्टर की सलाह से हल्दी सप्लीमेंट्स भी ले सकते हैं। बाजार में कर्क्यूमिन की उच्च मात्रा वाले सप्लीमेंट्स उपलब्ध हैं।

इसके अलावा ध्यान रखने योग्य बातें

शराब और तली,भुनी चीजों से बचें फैटी लिवर की समस्या को बढ़ाने में ये प्रमुख कारक होते हैं, इसलिए इनसे दूरी बनाना आवश्यक है।नियमित व्यायाम करेंयोग, प्राणायाम और कार्डियो व्यायाम लिवर की सेहत में सुधार करने में मदद करते हैं। संतुलित आहार लें हरी सब्जियों, फलों और फाइबर युक्त आहार को अपने भोजन में शामिल करें।हल्दी, विशेषकर लाकडोंग हल्दी, लिवर के लिए एक प्राकृतिक औषधि के रूप में काम कर सकती है। इसका नियमित सेवन लिवर को तंदुरुस्त रखने और फैटी लिवर जैसी समस्याओं को दूर करने में सहायक हो सकता है। लेकिन, हल्दी का सेवन शुरू करने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। इस तरह के सरल उपायों से आप लिवर की सेहत को बेहतर बना सकते हैं और गंभीर बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

अपने बालों के अनुसार चुनें बेहतरीन हेयर ऑयल, जिससे बाल रहे घने और मजबूत

अगर आप बालों की केयर करेंगे तो आपके हेयर्स काफी हेल्दी रहते है। अपने हेयर्स के टाइप के अनुसार ही तेल का इस्तेमाल करना चाहिए। आजकल मार्केट में ऑर्गेनिक उत्पादों का चलन बढ़ गया है। ऑर्गेनिक शैंपू, कंडीशनर, सीरम आदि प्रोडक्ट की मांग काफी बढ़ गई है। लंबे और चमकदार बाल पाने के लिए ज्यादातर महिलाएं नेचुरल चीजों और हेयर प्रोडक्ट्स यूज कर रही हैं। आज हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे तरीके जो आपके हेयर ऑयल के लिए बेस्ट है।

अपना हेयर टाइप जानें

हेयर्स की देखभाल के लिए जरुरी है कि सही हेयर ऑयल चुना जाए। इसके लिए आपको अपने बालों के प्रकार के बारे में जानना काफी जरुरी है। सीधे, कर्ली या लहरदार बालों के लिए भी अलग–अलग तेल आने लगे हैं। दरअसल, सीधे बालों के लिए आर्गन और जोजोबा जैसे हल्के तेल अच्छे हैं। लेकिन घुंघराले और लहराते बालों के लिए नारियल, बादाम और अरंडी का तेल उपयोगी है।

बालों में कोई समस्या तो नहीं

ध्यान रखें कि तेल का चयन करते समय अपने बालों की समस्या के अनुसार ही खरीदें। अगर आपको बालों को बढ़ाना है तो आरंडी या हिबिस्कस ऑयल लगाएं। बालों के झड़ने पर पामेटो मिलाए गए तेल का प्रयोग करें।

पोषक तत्व का जरुर ध्यान रखें

जब आप हेयर ऑयल खरीदने जाते हैं तो आप उसके पोषक तत्वों को जरुर देखें। गौरतलब है कि प्राकृतिक और जैविक तेलों में कोई कैमिकल नहीं होता लेकिन फिर आप इसे जरुर देखें।

2–3 हफ्तों तक तेल लगाएं

जब आप तेल लगाते हैं तो इतनी जल्दी रिजल्ट नहीं मिलता। इसलिए कोई भी तेल को 2–3 हफ्तों में आजमाएं। अगर आपके बालों में कोआ असर दिखता है तो यानी वो तेल काम कर रहे है। यदि कोई असर न दिखें तो आप तेल को बदल सकते हैं।

पपीता सेहत के लिए लाभकारी, लेकिन इन लोगों के लिए खतरनाक

पपीता एक ऐसा फल है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद कई प्रकार के विटामिन, खनिज, और एंटीऑक्सीडेंट्स इसे एक सुपरफूड बनाते हैं। यह न केवल पाचन तंत्र को सुधारता है बल्कि वजन नियंत्रित करने में भी मदद करता है। इसके अलावा, डायबिटीज, हृदय रोग, और कैंसर के मरीजों के लिए यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है। हालांकि, पपीते का सेवन हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं है। कई ऐसे लोग हैं जिन्हें पपीता खाने से बचना चाहिए। आइए जानते हैं कि कौन–से लोग हैं जो पपीता का सेवन न करें।

किडनी में पथरी से पीड़ित

अगर आपको किडनी में पथरी की समस्या है, तो आपको पपीता का सेवन नहीं करना चाहिए। पपीते में विटामिन सी की अधिकता होती है, जो एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है। लेकिन, इसकी अधिक मात्रा किडनी में पथरी के खतरे को बढ़ा सकती है। पपीता खाने से कैल्शियम ऑक्सलेट का स्तर बढ़ सकता है, जिससे किडनी में स्टोन बनने का खतरा बढ़ता है।

हाइपोग्लाइसीमिया वाले लोग

डायबिटीज से पीड़ित लोग पपीता का सेवन कर सकते हैं, लेकिन जिनका ब्लड शुगर लेवल पहले से ही कम है, उन्हें इससे परहेज करना चाहिए। हाइपोग्लाइसीमिया से पीड़ित लोगों के लिए पपीता हानिकारक हो सकता है, क्योंकि इससे हार्ट बीट तेज हो सकती है और शरीर में कंपन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

इरेगुलर हार्टबीट वाले लोग

पपीता हार्ट के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन अगर आपको इरेगुलर हार्टबीट की समस्या है, तो इसे खाना आपके लिए खतरनाक हो सकता है। रिसर्च से पता चला है कि पपीता में साइनोजेनिक ग्लाइकोसाइड होता है, जो पाचन तंत्र में हाइड्रोजन सायनाइड का उत्पादन कर सकता है। यह इरेगुलर हार्टबीट को और भी बढ़ा सकता है।

प्रेगनेंसी के दौरान

गर्भवती महिलाओं को पपीता खाने की सलाह नहीं दी जाती। इसमें लेटक्स होता है, जो गर्भाशय के संकुचन को ट्रिगर कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप, बच्चा समय से पहले जन्म ले सकता है। पपीते में पपैन भी पाया जाता है, जिसे शरीर प्रोस्टाग्लैंडीन के रूप में पहचान सकता है, जिससे आर्टिफिशियली लेबर पेन शुरू हो सकता है। इससे भ्रूण को सपोर्ट करने वाली झिल्ली भी कमजोर हो सकती है।

एलर्जी वाले लोग

यदि आप किसी प्रकार की एलर्जी से पीड़ित हैं, तो पपीता खाने से बचें। पपीते में एक एंजाइम होता है जिसे चिटिनेज कहा जाता है। यह लेटेक्स के साथ क्रॉस रिएक्शन कर सकता है, जिससे आपको छींक, सांस लेने में कठिनाई, खांसी या आंखों में समस्या हो सकती है। इसलिए, ऐसे लोगों को पपीते का सेवन नहीं करना चाहिए। पपीता एक स्वास्थ्यवर्धक फल है, लेकिन इसके सेवन से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आप उपरोक्त श्रेणियों में न आते हों। किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें और अपने आहार में सावधानी बरतें। याद रखें, जो चीजें स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती हैं, वे कुछ खास परिस्थितियों में हानिकारक भी हो सकती हैं।

संक्षिप्त

भारत का गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक 15 लाख करोड़ के स्तर को पार कर सकता है, आईसीआरए का दावा

नई दिल्ली। देश का संगठित गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक 15 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर जाएगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने यह दावा किया है। आईसीआरए के अनुसार यह पहल की उम्मीदों से एक साल पहले है। इस तेज वृद्धि का मुख्य कारण पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में आई लगातार बढ़ोतरी है, जो अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी हैं। ICRA लिमिटेड में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और को–ग्रुप हेड (फाइनेंशियल सेक्टर रेटिंग्स) एएम कार्तिक ने कहा कि संगठित गोल्ड लोन बाजार का आकार वित्त वर्ष 2027 तक और बढ़कर 18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। एजेंसी के अनुसार गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थान (छठथ्बे) के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो (।न्ड) में 30 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। इसका कारण ऊंचे सोने के दाम और असुरक्षित ऋण उत्पादों में धीमी वृद्धि को माना गया है। यह आम तौर पर उसी उधारकर्ता वर्ग को लक्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कई कंपनियों का विविधीकरण और देश में उपलब्ध बड़ी मात्रा में फ्री गोल्ड होल्डिंग इस वृद्धि के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक साबित होंगे। हालांकि विकास मुख्य रूप सोने की ऊंची कीमतों के कारण हुआ है, लेकिन कोलैटरेल के रूप में रखे गए सोने का टन भार वित्त वर्ष 2020–2025 के दौरान 1.7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से मामूली रूप से बढ़ा है। इस अवधि के दौरान औसत ऋण आकार दोगुने से भी अधिक हो गया है, जबकि शाखाओं की संख्या में 3.3 प्रतिशत की धीमी सीएजीआर से वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 24–25 के दौरान, स्वर्ण ऋण लगभग 26 प्रतिशत की सीएजीआर से विस्तारित हुआ। यह मार्च 2025 तक 11.8 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया। बैंकों ने एनबीएफसी की तुलना में थोड़ी तेज वृद्धि दर्ज की। इससे समग्र संगठित बाजार में बाद की हिस्सेदारी में गिरावट आई। मार्च 2025 तक, बैंकों की कुल संगठित स्वर्ण ऋण बाजार में लगभग 82 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि शेष 18 प्रतिशत हिस्सेदारी एनबीएफसी के पास थी। मार्च 2021 में एनबीएफसी की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से घटकर अब 2025 में 22 प्रतिशत हो गई है, जो इस क्षेत्र में बैंकों की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। आईसीआरए के आंकड़ों से यह भी पता चला है कि जून 2025 तक कुल एनबीएफसी गोल्ड लोन प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 2.4 ट्रिलियन रुपये थीं, जो साल–दर–साल लगभग 41 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाती हैं।

घरेलू बाजारों सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में तेजी

घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। लगातार पांचवें सत्र में बाजारों में तेजी कायम है। बीएसई सेंसेक्स 254.02 अंक चढ़कर 82,180.77 अंक पर और एनएसई निफ्टी 70.25 अंक की बढ़त के साथ 25,178.55 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाइटन, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक और मारुति के शेयर सबसे अधिक मुनाफे में रहे। पावर ग्रिड, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 फायदे में रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में गिरावट रही। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद हैं। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65.96 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,440.66 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे चढ़कर 88.75 प्रति डॉलर पर

घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया सीमित दायरे में कारोबार करते हुए बुधवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे चढ़कर 88.75 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भू–राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण रुपया दबाव में बना हुआ है और एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.76 पर खुला। फिर 88.75 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.77 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.85 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 254.02 अंक चढ़कर 82,180.77 अंक पर और निफ्टी 70.25 अंक की बढ़त के साथ 25,178.55 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65.94 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,440.66 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

क्या मोहम्मद शमी का करियर खत्म ? रिपोर्ट में बड़ा दावा, ऑस्ट्रेलिया दौर के लिए भी नहीं चुने गए

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं मिलने के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय करियर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई अब शमी को दोबारा भारतीय टीम में शामिल करने के मूड में नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ समय में शमी के घरेलू क्रिकेट प्रदर्शन खास नहीं रहे हैं और 35 वर्ष की उम्र पार करने के बाद उनका टीम में वापसी करना अब काफी मुश्किल माना जा रहा है।

चोट और प्रदर्शन ने बढ़ाई मुश्किलें

शमी ने भारत के लिए आखिरी बार मार्च 2025 में चौंपियंस ट्रॉफी के दौरान खेला था। उसके बाद चोटों के चलते वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रहे और केवल घरेलू मैचों में ही हिस्सा लिया, लेकिन वहां भी उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित नहीं किया। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने द टेलीग्राफ से कहा, इइस वक्त शमी के लिए टीम इंडिया में वापसी करना काफी मुश्किल होता जा रहा है। दलीप ट्रॉफी मैच में भी वह ज्यादा प्रभावी नहीं रहे, बस एक–दो स्पेल अच्छे थे। साथ ही, अब उनकी उम्र बढ़ रही है और गति में भी पहले जैसी धार नहीं दिखी। उन्होंने आगे कहा कि शमी को अगर आईपीएल में खेलना जारी रखना है तो उन्हें घरेलू क्रिकेट में नियमित रूप से हिस्सा लेना होगा।

रणजी में वापसी की तैयारी

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि शमी ने बंगाल की रणजी ट्रॉफी टीम के लिए खेलने की इच्छा जताई है। बंगाल इस साल की रणजी ट्रॉफी का आगाज 15 अक्तूबर से उत्तराखंड के खिलाफ करेगा। बंगाल के मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा, मैंने

करीब छह–सात दिन पहले शमी से बात की थी। उन्होंने खेलने की इच्छा जताई है। इसलिए हमारी तरफ से हम उनके उपलब्ध होने को लेकर आशावादी हैं। हालांकि, क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (CAB) ने अभी तक उनके चयन पर अंतिम फैसला नहीं लिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, हम जल्द ही लक्ष्मी के साथ बैठकर टीम चयन को लेकर चर्चा करेंगे, शायद मंगलवार तक फैसला हो जाएगा।

भविष्य अनिश्चित लेकिन उम्मीद बाकी

भले ही रिपोर्ट में शमी की टीम इंडिया में वापसी को लेकर निराशाजनक बातें कही गई हैं, लेकिन बंगाल के लिए खेलने की उनकी तैयारी यह दिखाती है कि वह अब भी मैदान से दूर नहीं होना चाहते। आने वाले रणजी सत्र में उनका प्रदर्शन ही यह तय करेगा कि क्या भारतीय क्रिकेट में उनके लिए कोई दरवाजा अब भी खुला है या नहीं।

पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद ने शिखर धवन को दी चुनौती, कहा- उनसे बॉक्सिंग मैच खेलना चाहता हूं

कराची। पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद ने पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन को बॉक्सिंग मुकाबले की खुली चुनौती दी है। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में अबरार ने यह बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर उन्हें किसी खिलाड़ी के खिलाफ बॉक्सिंग करनी हो, तो वह शिखर धवन के सामने उतरना चाहेंगे। टीवी होस्ट सारा बलोच के साथ एक इंटरव्यू में अबरार से सवाल पूछा गया, कौन सा ऐसा खिलाड़ी है जिसे देखकर आपको गुस्सा आता है और जिसके साथ आप बॉक्सिंग करना चाहेंगे? इस पर अबरार ने हंसते हुए जवाब दिया, मैं चाहता हूं कि मैं बॉक्सिंग करूं और सामने शिखर धवन खड़े हों।

इंटरव्यू से वायरल हुआ बयान

अबरार का यह इंटरव्यू जून 2025 में हुआ था, लेकिन इसका वीडियो अब दोबारा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस बयान पर फैंस ने मजेदार प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ ने इसे मजाक में लिया, तो कुछ ने इसे भारत–पाकिस्तान के तीखे क्रिकेटिंग प्रतिद्वंद्विता से जोड़ा। हालांकि, अबरार शायद यह भूल गए कि धवन का पाकिस्तान के खिलाफ स्टैट शानदार रहा है। धवन ने पाकिस्तान के खिलाफ सात वनडे मैचों में 54.29 की औसत और 102.43 के स्ट्राइक रेट से 380 रन बना चुके हैं। इनमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, अबरार अहमद का हालिया एशिया कप प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां उन्होंने सिर्फ छह विकेट लिए थे। भारतीय खिलाड़ियों ने उनकी गेंद पर खूब छक्के–चौके जड़े थे। अब देखना यह होगा कि शिखर धवन इस बॉक्सिंग चौलेंज पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

शादी और पाकिस्तान टीम में वापसी

27 वर्षीय अबरार ने हाल ही में कराची में शादी की, जिसमें कई नामी पाकिस्तानी क्रिकेटर शामिल हुए। उनके रिसेप्शन में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, टेस्ट कप्तान शान मसूद, और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी सहित कई प्रमुख खिलाड़ी मौजूद थे। शादी के बाद अबरार जल्द ही पाकिस्तान टीम में शामिल होंगे, क्योंकि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में चुना गया है। यह

सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौम्पियनशिप 2025–27 का हिस्सा है और 12 अक्तूबर से शुरू होगी।

पाकिस्तान टीम की घोषणा

इस सीरीज के लिए बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की टीम में वापसी हुई है, जो एशिया कप से बाहर थे। टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है, जबकि कप्तानी शान मसूद के पास है।

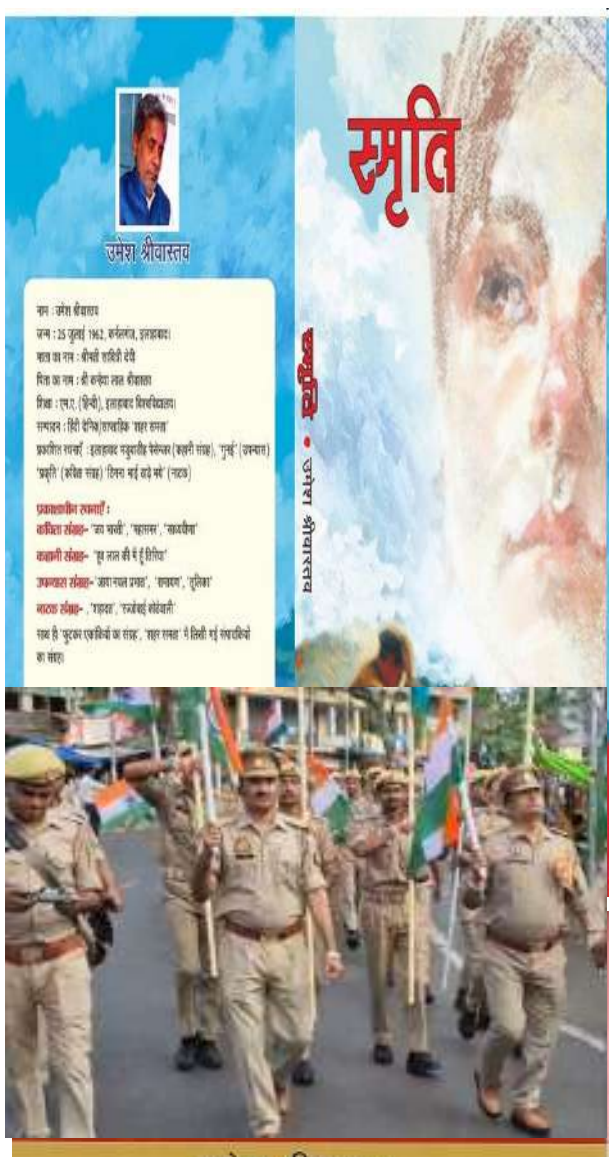

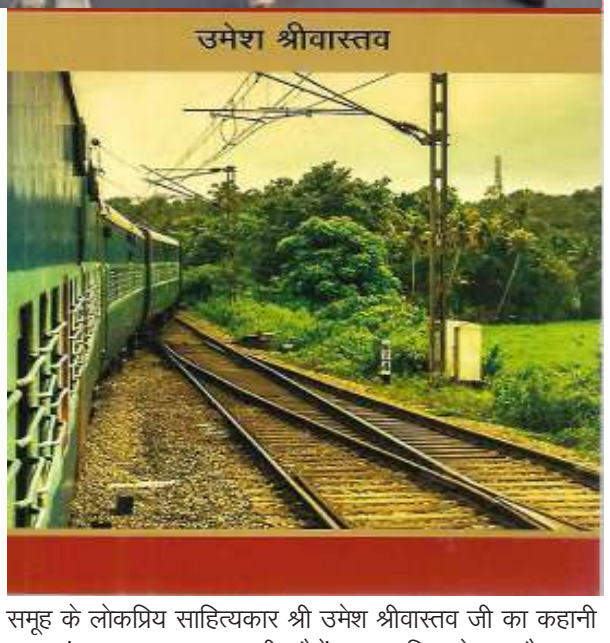

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

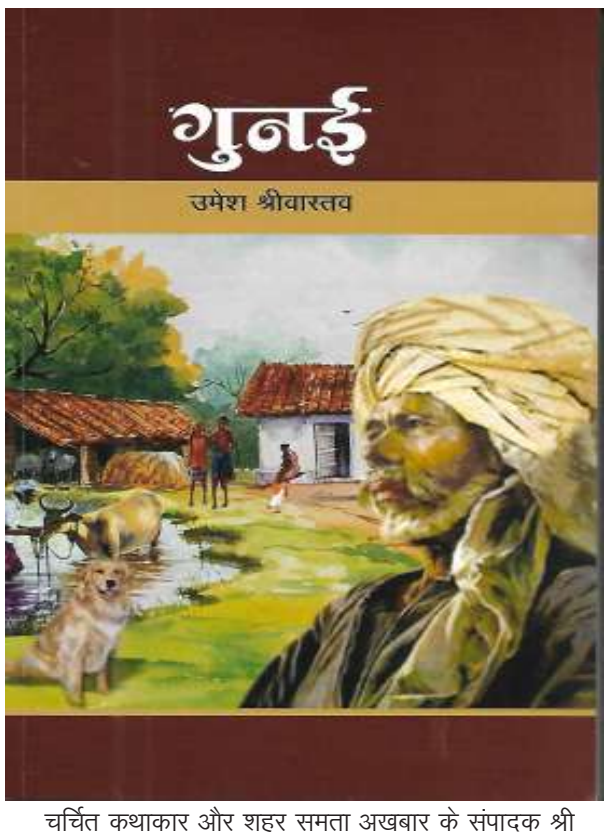

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

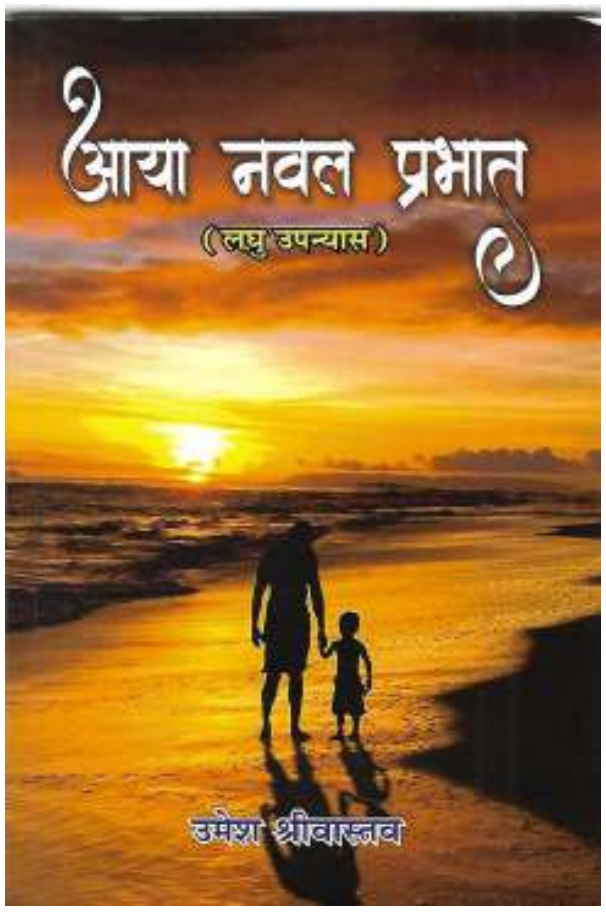

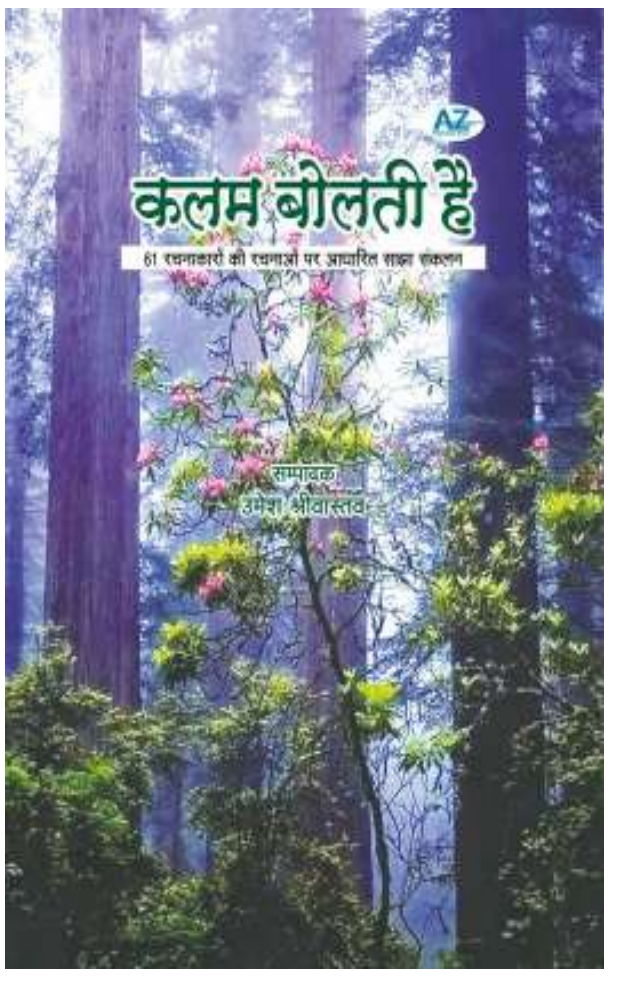

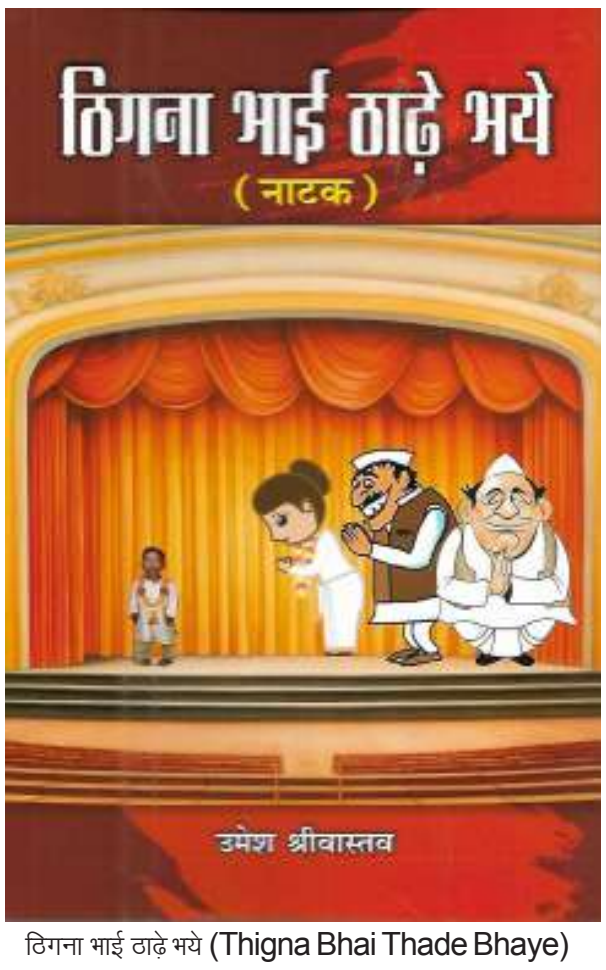

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कैलिफोर्निया ने दिवाली पर राजकीय अवकाश घोषित किया

भारतीय प्रवासियों के लिए एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में कैलिफोर्निया ने दिवाली पर आधिकारिक राजकीय अवकाश घोषित कर दिया है। इस तरह कैलिफोर्निया अमेरिका का तीसरा राज्य बन गया है जिसने भारत के इस प्रकाश पर्व को आधिकारिक तौर पर अवकाश के रूप में मान्यता दी है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्होंने विधानसभा सदस्य ऐश कालरा द्वारा दिवाली को राजकीय अवकाश घोषित करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। सितंबर में दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश

घोषित करने वाला 'एबी 268' नामक विधेयक कैलिफोर्निया विधानमंडल के दोनों सदनों से सफलतापूर्वक पारित हो गया था, जिस पर न्यूसम के अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा थी। कालरा ने पिछले महीने कहा था, ''कैलिफोर्निया भारतीय अमेरिकियों की सबसे बड़ी आबादी वाला स्थान है और दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश घोषित करने से लाखों कैलिफोर्निया वासियों तक इसका संदेश पहुंचेगा जो इसे मनाते हैं और विविधता से भरे हमारे राज्य में कई लोगों को इसे अपनाने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा, ''दिवाली सद्भावना, शांति और नवीनीकरण की साझा भावना के संदेश के साथ समुदायों को एक साथ लाती है। कैलिफोर्निया को दिवाली और इसकी विविधता को अपनाना चाहिए, न कि इसे अंधेरे में छिपाकर रखना चाहिए।'' अक्टूबर 2024 में पेंसिल्वेनिया दिवाली को आधिकारिक तौर पर राजकीय अवकाश के रूप में मान्यता देने वाला पहला राज्य बन गया, जिसके बाद इस वर्ष कनेक्टिकट ने इसे राजकीय अवकाश घोषित किया। न्यूयॉर्क सिटी में दिवाली पर सरकारी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। सामुदायिक नेताओं और प्रमुख प्रवासी संगठनों ने कैलिफोर्निया द्वारा दिवाली पर राजकीय अवकाश घोषित करने की घोषणा का स्वागत किया। गैर–लाभकारी संगठन 'इंडियास्पोरा' ने कहा कि यह मान्यता न केवल दिवाली की जीवंतता को दर्शाती है, बल्कि अमेरिका भर में भारतीय अमेरिकी समुदाय के स्थायी प्रभाव को भी दर्शाती है। 'इंडियास्पोरा' के संस्थापक और अध्यक्ष एमआर रंगास्वामी ने एक बयान में कहा कि यह ऐतिहासिक निर्णय भारतीय अमेरिकियों की उन पीढ़ियों का सम्मान करता है जिन्होंने कैलिफोर्निया के विकास और सफलता में योगदान दिया है।

पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के प्रमुख आतंकवादी को मार गिराया

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने उत्तर–पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के अफगानिस्तान मूल के एक प्रमुख आतंकवादी को मार गिराया है। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर जिले के गबीर इलाके में चलाए गए एक अभियान में पीर आगा कंधारी मारा गया। वह सुरक्षा बलों पर हमले और निर्दोष नागरिकों की हत्या सहित कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था। टीटीपी के बाजौर कमांडर मलंग बादशाह ने एक ऑडियो संदेश में बाजौर जिले में एक अभियान में कंधारी की मौत की पुष्टि की। इस बीच, मंगलवार को दो अलग–अलग घटनाओं में बन्नू जिले से उच्च विद्यालय के दो शिक्षकों सहित चार सरकारी अधिकारियों का अपहरण कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, हथियारबंद लोगों ने बंदूक का डर दिखाकर विद्यालय के शिक्षकों को एक वाहन में बिठाया और उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले गए। एक अधिकारी ने बताया कि 'बेनजीर इंकम सपोर्ट प्रोग्राम' (बीआईएसपी) के दो कर्मचारियों का बीआईएसपी भुगतान वितरण केंद्र से अपहरण कर लिया गया। बन्नू के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सलीम कुलाची ने कहा कि 15 से 20 आतंकवादी समूह में आए और कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। हालांकि, डीपीओ इस बात की पुष्टि नहीं कर सके कि आतंकवादियों ने पीड़ितों से कितनी रकम ली। पुलिस ने पीड़ितों को बचाने के लिए जांच और तलाश अभियान शुरू किया है।

खैबर पख्तूनख्वा में छिड़ी भीषण लड़ाई, 11 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया गया

अफ़ग़ान सीमा के पास तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बंदूकधारियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में पाकिस्तान के अर्धसैनिक बलों के ग्यारह सदस्य मारे गए, जिनमें दो अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, उत्तर–पश्चिमी कुर्रम ज़िले में बंदूकधारियों द्वारा गोलीबारी शुरू करने से पहले सड़क किनारे बमों ने काफ़िले को निशाना बनाया। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि ये सैनिक पास के ओरकज़ई ज़िले में एक अभियान के दौरान मारे गए, जिसमें 19 आतंकवादी भी मारे गए। रॉयटर्स से बात करते हुए पाकिस्तानी तालिबान ने हमले की जिम्मेदारी ली।

हाल के महीनों में, तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जो सरकार को उखाड़ फेंकने और इस्लामी शासन के अपने कट्टरपंथी संस्करण को लागू करने की कोशिश कर रहा है ने सुरक्षा बलों पर हमले तेज़ कर दिए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत में अमेरिकी राजदूत बने सर्जियो गोर, भारत–अमेरिका के संबंधों को देंगे नई दिशा, ट्रंप के करीबी पर सीनेट की मुहर

अमेरिकी सीनेट ने भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के रूप में सर्जियो गोर के नाम पर मुहर लगा दी। गोर (38) के नाम को मंगलवार को सीनेट ने मंजूरी दी। मतदान में 51 सीनेटर ने गोर के पक्ष में और 47 ने उनके विरुद्ध मतदान किया। यह पुष्टि वर्तमान अमेरिकी सरकारी 'शटडाउन' के बावजूद हुई। इस दौरान, गोर के अलावा 107 नामित व्यक्तियों के नामों की पुष्टि हुई। अन्य नामांकित व्यक्तियों में कैलिफोर्निया के पॉल कपूर को दक्षिण एशियाई मामलों के लिए सहायक विदेश मंत्री और फ्लोरिडा की अंजनि सिन्हा को सिंगापुर गणराज्य में राजदूत नियुक्त किया गया। ट्रंप ने अगस्त में राष्ट्रपति के कार्मिक निदेशक गोर को भारत में अगले अमेरिकी राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में नामित किया था। ट्रंप ने गोर को एक ''महान मित्र'' बताया और कहा कि वह कई वर्षों से उनके साथ हैं। ट्रंप ने कहा, ''दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र के लिए यह जरूरी है कि मेरे पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जिस पर मैं अपने एजेंडे को पूरा करने और अमेरिका को फिर से महान बनाने में हमारी मदद करने के लिए पूरी तरह भरोसा कर सकूं। सर्जियो एक अद्भुत राजदूत साबित होंगे।' अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने गोर की नामांकन का स्वागत किया था और उन्हें ट्रंप के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक बताया था। उन्होंने कहा कि यह निर्णय अमेरिका द्वारा भारत के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को दिए जाने वाले महत्व और प्राथमिकता को दर्शाता है। पिछले महीने सीनेट की विदेश संबंध समिति में अपने नाम की पुष्टि के लिए हुई सुनवाई में गोर ने भारत को अमेरिका का एक रणनीतिक

साझेदार बताया था। उन्होंने कहा कि वह इस ''महत्वपूर्ण'' साझेदारी में अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोर ने कहा था, ''अमेरिका–भारत व्यापार संबंधों में सुधार से न केवल अमेरिका की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी, बल्कि अन्य देशों पर चीन का आर्थिक प्रभाव भी कम होगा।

ट्रम्प के एक अंदरूनी सूत्ररू सर्जियो गोर कौन हैं?

ट्रम्प के लंबे समय से सहयोगी रहे गोर को अगस्त में न केवल भारत में राजदूत के रूप में, बल्कि दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत की भूमिका निभाने के लिए भी नामित किया गया था। गोर को ष्एक महान मित्र, जो कई वर्षों से मेरे साथ हैंष बताते हुए, ट्रम्प ने कहा था कि ष्दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि मेरे पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जिस पर मैं अपने एजेंडे को पूरा करने और अमेरिका को फिर से महान बनाने में हमारी मदद करने के लिए पूरी तरह भरोसा कर सकूँ। सर्जियो एक अद्भुत राजदूत साबित होंगे। वाशिंगटन में पर्दे के पीछे के अपने काम के लिए जाने जाने वाले गोर ने हाल ही में राष्ट्रपति कार्मिक निदेशक के रूप में कार्य किया।

भारत के बारे में गोर का दृष्टिकोण?

पिछले महीने सीनेट की विदेश संबंध समिति में अपनी पुष्टिकरण सुनवाई के दौरान, गोर ने कहा था कि भारत एक रणनीतिक साझेदार है जिसका भविष्य इस क्षेत्र और उससे आगे के क्षेत्र को आकार देगा। उन्होंने कहा कि वह इस महत्वपूर्ण साझेदारी में अमेरिका के हित को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोर ने कहा था, अमेरिका–भारत व्यापार संबंधों में सुधार से न केवल अमेरिका की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी, बल्कि अन्य देशों पर चीन का आर्थिक प्रभाव भी कम होगा। गोर ने आगे कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारत की भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। उन्होंने पैनल को बताया, एक स्थिर दक्षिण एशिया अमेरिका और सभी देशों के हित में है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका–भारत साझेदारी 21वीं सदी को परिभाषित करेगी।

भारत ने चयन का स्वागत किया

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने गोर के नामांकन का स्वागत किया और उन्हें ट्रंप के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय अमेरिका द्वारा भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को दी जाने वाली महत्ता और प्राथमिकता को दर्शाता है।

अफगानिस्तान के लिए अमेरिका से भिड़ गया भारत, अमेरिका को लेकर ट्रंप की माँग का किया विरोध

अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस को लेकर अमेरिका और तालिबान के बीच छिड़े नए विवाद में भारत ने एक अप्रत्याशित मोर्चा संभाल लिया है। हम आपको बता दें कि रूस की मेज़बानी में हुई "मॉस्को फ़ॉर्मैट कंसल्टेशन ऑन अफगानिस्तान" की सातवीं बैठक में भारत ने तालिबान, पाकिस्तान, चीन और रूस के साथ मिलकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस माँग का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने अफगानिस्तान से बगराम एयरबेस वापस अमेरिका को देने की बात कही थी। बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में यह कहा गया है कि "प्रतिभागियों ने उन देशों के प्रयासों को अस्वीकार्य बताया जो अफगानिस्तान या उसके पड़ोसी देशों में अपनी सैन्य संरचना तैनात करना चाहते हैं, क्योंकि यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के अनुकूल नहीं है।" इस बैठक में अफगानिस्तान, भारत, ईरान, कज़ाखस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान के प्रतिनिधि शामिल थे, जबकि बेलारूस विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहा। पहली बार तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने इस बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया। हम आपको याद दिला दें कि ट्रंप ने पिछले महीने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ़्रेंस में कहा थाकृ "हम बगराम बेस वापस लेना चाहते हैं। हमने उसे (तालिबान को) मुफ्त में दे दिया, अब हमें वह वापस चाहिए।" बाद में उन्होंने अपनी सोशल मीडिया साइट पर लिखा था कि अगर अफगानिस्तान ने

अमेरिका को बगराम बेस नहीं लौटाया, तो "बुरे परिणाम" होंगे। तालिबान ने इस मांग को सीधे शब्दों में ठुकरा दिया था। उनके प्रवक्ता ज़बीहुल्ला मुजाहिद ने कहा था, "अफगान कभी अपनी ज़मीन किसी को नहीं सौंपेंगे।" देखा जाये तो भारत द्वारा तालिबान के साथ इस मुद्दे पर एकमत होना इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि मुत्ताकी इसी सप्ताह भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। हम आपको बता दें कि यह किसी तालिबान विदेश मंत्री की भारत यात्रा का पहला अवसर होगा। देखा जाये तो भारत का यह कदम पहली नज़र में चौंकाने वाला प्रतीत होता है। जिस तालिबान शासन को भारत ने कभी औपचारिक मान्यता नहीं दी, उसी के साथ खड़े होकर अमेरिका की सैन्य पहल का विरोध करना, एक नई कूटनीतिक दिशा की ओर संकेत करता है। दरअसल, बगराम एयरबेस केवल एक हवाई अड्डा नहीं है; यह एशियाई शक्ति–संतुलन का प्रतीक है। 2001 के बाद अमेरिका ने इसे "वार ऑन टेरर" का मुख्य केंद्र बनाया था। अफगानिस्तान से अमेरिकी वापसी के बाद अब यह ठिकाना तालिबान के नियंत्रण में है। ट्रंप की मांग इस भू–राजनीतिक केंद्र को दोबारा अपने कब्ज़े में लेने की कोशिश थी, जिसे क्षेत्रीय देशों ने सीधे हस्तक्षेप के रूप में देखा। दूसरी ओर, भारत का रुख दो स्तरों पर समझा जा सकता है। पहला है क्षेत्रीय स्थिरता की प्राथमिकता। दरअसल, भारत नहीं चाहता कि अफगानिस्तान फिर किसी विदेशी सैन्य अड्डे का मैदान बने। इसके अलावा, भारत रणनीतिक संतुलन भी साधना चाहता है। देखा जाये तो जब अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह पर से प्रतिबंध छूट हटाई है, तब भारत के लिए रूस, ईरान और मध्य एशिया के साथ सामंजस्य बनाए रखना आवश्यक हो गया है। मॉस्को फ़ॉर्मैट में शामिल होकर भारत यह संदेश दे रहा है कि एशिया में अमेरिकी सैन्य पुनर्प्रवेश स्वीकार्य नहीं होगा। हम आपको यह भी बता दें कि संयुक्त वक्तव्य में "आतंकवाद की समाप्ति" और "अफगान भूमि से पड़ोसी देशों की सुरक्षा पर खतरा न बनने" का जो उल्लेख किया गया है वह स्पष्ट रूप से भारत की सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा संकेत है। अफगान धरती से पाकिस्तान–प्रेरित आतंकवाद की संभावनाओं पर भी भारत लगातार सतर्क रहा है। भारत की यह भागीदारी यह भी दर्शाती है कि वह अफगानिस्तान के साथ आर्थिक और मानवीय जुड़ाव को पुनर्जीवित करना चाहता है। वक्तव्य में कृषि, स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन और आपदा प्रबंधन में सहयोग की बात कही गई है, जो अफगान जनता तक भारत की विकासोन्मुखी नीति का संदेश पहुंचाती है। हालाँकि, इस नीति का एक नाजुक पक्ष भी है। तालिबान शासन अभी भी महिलाओं के अधिकार, शिक्षा और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मामले में अंतरराष्ट्रीय मानकों से कोसों दूर है। भारत का संवाद भले ही व्यावहारिक कारणों से हो, लेकिन इसे राजनयिक मान्यता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। भारत को अपने रुख में मानवीय संवेदनाओं और रणनीतिक हितों का संतुलन बनाए रखना होगा। कहा जा सकता है कि बगराम विवाद ने दक्षिण और मध्य एशिया में नए भू–राजनीतिक समीकरण को जन्म दिया है, जहाँ अमेरिका के विरुद्ध रूस–चीन–तालिबान की धुरी के साथ भारत का एक साथ खड़ा होना यह दर्शाता है कि अब नई दिल्ली अपनी विदेश नीति में "पश्चिमी दबाव" से परे एक स्वतंत्र क्षेत्रीय भूमिका तलाश रही है। आने वाले दिनों में मुत्ताकी की भारत यात्रा इस समीकरण को और परखेगी कि क्या यह संवाद व्यावहारिक सहयोग की दिशा में जाएगा, या केवल कूटनीतिक औपचारिकता भर रहेगा? लेकिन एक बात स्पष्ट है कि अफगानिस्तान में शांति का भविष्य अब पश्चिमी ताकतों की रणनीतियों पर नहीं, बल्कि एशिया की एकजुट समझ पर निर्भर करेगा।

तालीबान ने तो पूरा खेल ही पलट दिया, इस एयरबेस के लिए ट्रंप से सीधे भिड़ने वाले हैं भारत–पाकिस्तान, चीन और रूस

इतिहास में ऐसे मौके बहुत कम ही देखने को मिले होंगे जब किसी मुद्दे को लेकर भारत और पाकिस्तान एक साथ आ खड़े हो। वहीं अगर इसमें रूस और चीन जैसे देशों का साथ भी मिल जाए तो साफ हो जाता है कि मामला थोड़ा बड़ा है। अब ऐसा ही कुछ अफगानिस्तान को लेकर देखने को मिल रहा है। भारत अब

तालिबान, पाकिस्तान, चीन और रूस के साथ मिलकर अफ़ग़ानिस्तान में बगराम एयरबेस पर फिर से नियंत्रण पाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश का विरोध कर रहा है। यह घोषणा तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की नई दिल्ली की निर्धारित यात्रा से कुछ दिन पहले हुई है, जो किसी वरिष्ठ तालिबान राजनयिक के लिए पहली ऐतिहासिक यात्रा होगी। अफगानिस्तान पर मास्को प्रारूप परामर्श की सातवीं बैठक मास्को में हुई, जिसमें अफगानिस्तान, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, तथा बेलारूस भी अतिथि के रूप में उपस्थित था। ज्वाइंट स्टेटमेंट में कहा गया है कि उन्होंने अफगानिस्तान और पड़ोसी राज्यों में देशों द्वारा अपने सैन्य बुनियादी ढांचे को तैनात करने के प्रयासों को अस्वीकार्य बताया, क्योंकि यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के हितों की पूर्ति नहीं करता है। हालांकि बगराम का स्पष्ट रूप से नाम नहीं लिया गया, लेकिन संदेश को व्यापक रूप से ट्रम्प की मांग के रूप में देखा गया। ट्रंप ने अफ़ग़ानिस्तान के तालिबान शासकों से बगराम को सौंपने का बार–बार आह्वान किया है, लगभग पाँच साल पहले 2020 के एक समझौते ने काबुल से अमेरिका की वापसी का रास्ता साफ़ किया था। 18 सितंबर को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि हमने तालिबान को मुफ़्त में दे दिया। हम उस अड्डे को वापस चाहते हैं। दो दिन बाद, उन्होंने ट्रुथ सोशल पर चेतावनी दी, अगर अफ़ग़ानिस्तान बगराम एयरबेस को इसे बनाने वालों, यानी संयुक्त राज्य अमेरिका को वापस नहीं करता है, तो बुरा होगा! हालांकि, तालिबान ने इस अनुरोध को दृढ़ता से खारिज कर दिया है। मुख्य प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफ़ग़ान किसी भी हालत में अपनी ज़मीन किसी को भी नहीं सौंपने देंगे।

बाइडन ने उपराष्ट्रपति रहते छिपाई थीं यूक्रेन में भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें, CIA की फाइलों से हुआ खुलासा

वॉशिंगटन। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पुराने रिकॉर्ड से एक बड़ा खुलासा हुआ है। इन फाइलों के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और उस समय के उपराष्ट्रपति जो बाइडन ने दिसंबर 2015 में यूक्रेन यात्रा के दौरान भ्रष्टाचार पर जो भाषण दिया था, उसके पीछे एक बड़ी कहानी छिपाई गई थी। यूक्रेन के अधिकारियों ने उस समय अमेरिकी रुख को श्दोहरा मापदंडश बताया था,

लेकिन यह नाराजगी अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट से हटा दी गई थी। यह जानकारी हाल ही में उजागर की गई सीआईए की फाइलों से सामने आई है।

क्या है पूरा मामला?

दिसंबर 2015 में जो बाइडन ने यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा किया था, वहां उन्होंने यूक्रेनी संसद में भाषण देकर कहा था कि भ्रष्टाचार श्कैंसरश की तरह है और इसे जड़ से खत्म करना होगा। इस भाषण के बाद यूक्रेनी अधिकारी नाराज थे। उनका कहना था कि अमेरिका खुद भ्रष्टाचार पर दोहरी नीति अपना रहा है, क्योंकि उस समय बाइडन के बेटे हंटर बाइडन यूक्रेन की ऊर्जा कंपनी बुरिज्मा होल्डिंग्स में काम कर रहे थे और हर साल लगभग 1 मिलियन डॉलर का मेहनताना ले रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने निजी तौर पर कहा था कि जब अमेरिका ही इस तरह के पारिवारिक संबंधों को नजरअंदाज कर रहा है, तो उसे दूसरों को भ्रष्टाचार पर भाषण देने का कोई हक नहीं बनता।

क्यों दबाई गई रिपोर्ट?

सीआईए की उजागर की गई फाइलों के अनुसार, यूक्रेन की इस नाराजगी की रिपोर्ट तैयार तो हुई थी, लेकिन इसे तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कॉलिन काहल के अनुरोध पर राष्ट्रपति के दैनिक खुफिया ब्रीफ (पीडीबी) में शामिल नहीं किया गया। सीआईए के एक अधिकारी की तरफ से 10 फरवरी 2016 को भेजे गए ईमेल में साफ लिखा गया– काहल चाहते हैं कि यह रिपोर्ट प्रसारित न की जाए।श यह ईमेल उस समय राष्ट्रपति बराक ओबामा को रोजाना ब्रीफ देने वाले अधिकारी माइकल डेम्पसी ने भेजा था। डेम्पसी सीधे खुफिया प्रमुख जेम्स क्लैपर को रिपोर्ट करते थे। बता दें कि क्लैपर पर पहले से ही रूसगेट स्कैंडल में भूमिका को लेकर जांच के दायरे में हैं।

क्यों अहम है सीआईए का ये खुलासा?

राष्ट्रपति की दैनिक खुफिया रिपोर्ट में दुनिया भर की अहम राजनीतिक और सुरक्षा जानकारियां दी जाती हैं ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति समय रहते किसी भी संकट से निपटने की तैयारी कर सकें। यूक्रेन की इस नाराजगी को रिपोर्ट से हटा देना यह दिखाता है कि अमेरिकी प्रशासन ने उस समय बाइडन परिवार से जुड़े विवाद को छुपाने की कोशिश की थी। इसके अलावा, इसी दौरान अमेरिकी मीडिया में भी हंटर बाइडन के यूक्रेन से जुड़े वित्तीय लेनदेन पर सवाल उठ रहे थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।